राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 291 | रायपुर | रविवार 19 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने पवित्र अवशेषों को खटक भेंट किया और मंदिर में एक दीप प्रज्वलित किया

बिहार चुनाव और उपचुनाव 2025 : मतदान के दिन वेतन सहित अवकाश

किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, अब सोलर पंप के लिए 90% सब्सिडी सरकार देगी

संवाददाता।

मध्यप्रदेश के किसानों के लिए दिवाली से पहले बड़ी खुशखबरी सामने आई है. सीएम मोहन यादव ने सोलर पंप लगाने दी जाने वाली सरकारी सब्सिडी बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दी है. जो पहले 60 प्रतिशत थी. अब किसानों को सोलर पंप लगाने के लिए सिर्फ 10 प्रतिशत राशि ही जेब से खर्च करनी होगी.

सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार 18 अक्टूबर को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान भाइयों से संवाद किया और सोलर पंप पर सरकारी मदद को बढ़ाने का ऐलान किया. भोपाल में आयोजित किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों के लिए कई राहत भरी घोषणाएं कीं. सोलर पंप योजना को लेकर सीएम मोहन यादव को लेकर कहा कि अब किसानों को सोलर पंप पर सिर्फ 10 प्रतिशत राशि ही देनी होगी, जबकि पहले किसानों को 40 प्रतिशत राशि देनी पड़ती थी. बाकी 90 फीसदी खर्च सरकार उठाएगी।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025

भारत एक दशक में कमजोर पांच से शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ : पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 से पहले कमजोर पांच अर्थव्यवस्था वाले देश से भारत पिछले एक दशक में सरकार द्वारा किए गए विभिन्न क्षेत्रों के सुधारों के कारण दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा है। बैंकिंग क्षेत्र में हुए सुधारों की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में बैंकों का राष्ट्रीयकरण इस तर्क के साथ किया गया था कि बैंकिंग को गरीबों तक पहुंचना चाहिए। लेकिन, बैंक गरीबों से दूर होते गए।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 2014 में जब हम सत्ता में आए, तब भारत की आधी आबादी के पास बैंक खाता नहीं था। हमने बैंकिंग प्रणाली का लोकतंत्रीकरण किया और मिशन मोड में 50 करोड़ से ज्यादा जन-धन खाते खोले। हम बैंकिंग क्षेत्र में सुधार लाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन ने भारत को वित्त के मामले में सबसे समावेशी देशों में से एक बना दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आयकर और जीएसटी सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि इन सुधारों से 2.5 लाख करोड़ रुपए की बचत सुनिश्चित है। जीएसटी की वजह से त्योहारी सीजन में बिक्री ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जीएसटी सुधारों से कीमतें कम हुई हैं, ऋण प्रवाह सुचारू हुआ है, कर व्युत्क्रमण संबंधी मुद्दों का समाधान हुआ है और विवादों में कमी आई है, जिससे अंततः उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लागत में कमी आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने सरकारी कंपनी बीएसएनएल के बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत उन टॉप 5 देशों में शामिल है, जिनके पास अपनी 4जी तकनीक है। इस स्वदेशी 4जी तकनीक, जिसे भारत टेलीकॉम स्टैक कहा जाता है, को बीएसएनएल के लगभग 1 लाख टावरों पर इस्तेमाल किया गया है। इससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और ब्रॉडबैंड का दायरा बढ़ा है। यह तकनीक अब वैश्विक निर्यात के लिए भी तैयार है।

पीएम मोदी ने यूपीआई की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने सबको गलत साबित किया और आज दुनिया के 50 प्रतिशत डिजिटल लेनदेन भारत में होते हैं। यूपीआई ने वैश्विक डिजिटल भुगतान बाजार में अपनी मजबूत जगह बनाई है।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में अब एक ऐसी सरकार है जो गरीबों और वंचितों की सेवा के लिए समर्पित है, पिछड़े समुदायों को प्राथमिकता दे रही है और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख चर्चाओं में अक्सर ऐसे प्रयासों पर ध्यान नहीं दिया जाता। उदाहरण के तौर पर, उन्होंने बीएसएनएल के हाल ही में लॉन्च किए गए मेड-इन-इंडिया 4जी स्टैक का हवाला दिया और इसे एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि बताया। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि भारत अब स्वदेशी रूप से विकसित 4जी स्टैक वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल है। प्रधानमंत्री ने बताया कि बीएसएनएल, जो कभी विपक्ष द्वारा उपेक्षित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी थी, अब नए मुकाम हासिल कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि 4जी स्टैक के लॉन्च के साथ ही बीएसएनएल ने उसी दिन लगभग एक लाख 4जी मोबाइल टावर सक्रिय कर दिए। परिणामस्वरूप, सुदूर जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोग-जो पहले हाई-स्पीड इंटरनेट से अछूते थे-अब तेज़ इंटरनेट सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री अमरसूर्या ने पीएम मोदी से की मुलाकात, कई मुद्दों पर बातचीत

नई दिल्ली एजेंसी।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या दो दिवसीय यात्रा पर भारत में मौजूद हैं। अपनी यात्रा के दूसरे दिन उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात बहुत अच्छी रही। हमने इस बात पर चर्चा की कि हम अपने बीच स्थापित अच्छे संबंधों को कैसे बनाए रख सकते हैं। उन्होंने मुझसे मेरी भारत यात्रा और मैंने जो कुछ किया है, उसके बारे में पूछा। इसलिए यह एक अच्छी बातचीत रही। उन्होंने कहा कि हमारे बीच पहले से ही कई सहयोग चल रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भारत से समर्थन मिला है। हालांकि, हमने और अधिक संस्थागत सहयोग बनाने की संभावना पर भी चर्चा की और प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे यहां चल रहे शिक्षा सुधारों के बारे में कई सुझाव दिए। हमने अपनी-अपनी नीतियों पर चर्चा की। मछुआरों के मुद्दे पर श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने कहा कि यह एक सतत मुद्दा है और इस पर चर्चा की जानी चाहिए। हमें अपने मछुआरों की आजीविका की भी रक्षा करनी है, लेकिन हम समझते हैं कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है और हम इस पर बातचीत जारी रखेंगे।

इससे पहले श्रीलंकाई पीएम ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की थी। वह दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज भी पहुंची। वह हिंदू कॉलेज में कार्यक्रम में शामिल हुईं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यह यात्रा भारत और श्रीलंका के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाती है और गहरी एवं बहुआयामी द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाती है।

जनजातीय परंपराएं याद दिलाती हैं कि विकास प्रकृति के सामंजस्य में होना चाहिए : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में आदि कर्मयोगी अभियान पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों, जिलों, प्रखंडों और एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसियों को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह सम्मेलन शासन को वास्तव में सहभागी, समावेशी और जनभागीदारी पर आधारित बनाने के हमारे राष्ट्रीय संकल्प को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने आगे कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान प्रत्येक जनजातीय गांव को आत्मनिर्भर और गौरवशाली गांव बनाने के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के

साथ शुरू किया गया था। उन्होंने रेखांकित किया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनजातीय समुदाय राष्ट्र की विकास यात्रा में भाग लें तथा विकास का लाभ सभी जनजातीय क्षेत्रों और लोगों तक पहुंचे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनजातीय कार्य रूपरेखा हमारे जनजातीय लोगों के विकास और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कांग्रेस और सपा अपनाए हुए हैं अंग्रेजों की फूट डालो, राज करो नीति : सीएम

लखनऊ संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति अपनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके। विपक्षी दलों को लेकर कहा कि ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश

की एकता और अखंडता कमजोर हो। लेकिन, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष समाज को बांटने की राजनीति कर रहा है, तब भाजपा की जिम्मेदारी है कि एकता और अखंडता के संदेश को हर गांव और हर विधानसभा तक पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि 31 अक्टूबर को 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन पूरे प्रदेश में होगा। इसके बाद 1 नवंबर से 26 नवंबर तक हर विधानसभा क्षेत्र में 8 से 10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। इसमें आर्मी के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन, एनएसएस, एनसीसी और स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा। यह कार्यक्रम सिर्फ औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि हर कार्यकर्ता को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। बूथ स्तर से लेकर जिला पदाधिकारी तक सभी को सक्रिय होना होगा।

व्यापारियों की दीपावली मनेगी भव्य, 738 करोड़ जीएसटी रिफंड जारी : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी के कारोबारियों की दीपावली को भव्य और वैभवपूर्ण बनाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का कहना है कि दीपावली से पूर्व तक दिल्ली के व्यापारियों को उनका जीएसटी रिफंड लगातार दिया जा रहा है। इस मद में उन तक 738 करोड़ की राशि पहुंचा दी गई है। यह प्रकिया जारी है और आधुनिक तकनीक के जरिए व्यापारियों को लगातार उनका जीएसटी रिफंड निपटाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार आम जन तक भी खुशियां पहुचांने का लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत हम पानी के लंबित बिलों व अनधिकृत पेयजल व सीवर के कनेक्शनों पर भारी राहत दे रहे हैं।

अयोध्या दीपोत्सव 2025 : AI कैमरों से सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण का आधुनिक उदाहरण

पीआईबी । अयोध्या, 17 अक्टूबर। दीपोत्सव 2025 इस बार न सिर्फ अयोध्या की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा, बल्कि यह तकनीकी सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन का भी उत्कृष्ट उदाहरण पेश करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर, पहली बार महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है।

मेला क्षेत्र में 11 AI कैमरे लगाए जाएंगे सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 11 एआई कैमरे तैनात किए गए

हैं। ये कैमरे लता चौक, धर्म पथ, राम पथ और राम की पैड़ी पर लाइव निगरानी करेंगे। हर जगह आने-जाने वाले श्रद्धालुओं पर नजर रखी जाएगी, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। **भीड़ का**

हेडकाउंट और संदिग्ध पहचान

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि एआई कैमरे न केवल भीड़ का हेडकाउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी कर सकेंगे।

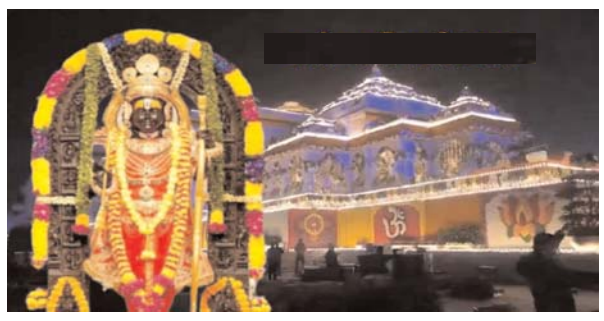

साइंस | **अब और खतरनाक होगी अस्ट्रा-2 मिसाइल,**

डीआरडीओ को मिला पीएल-15 मिसाइल का फॉर्मूला

नई दिल्ली एजेंसी। भारत अपने रक्षा तंत्र को लगातार आधुनिक बना रहा है। देश में स्वदेशी तकनीक से मिसाइल और फाइटर जेट विकास को नई गति मिल रही है। इसी कड़ी में भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने चीनी क्क-15 मिसाइल के विश्लेषण के बाद उसकी कुछ उन्नत तकनीकी विशेषताएं भारत में विकसित हो रही एस्ट्रा मार्क-2 मिसाइल परियोजना में शामिल करने का निर्णय लिया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान वायुसेना द्वारा दागी गई PL-15श्च मिसाइल का विश्लेषण किया गया। यह मिसाइल छ्वस्न-17 या J-10C लड़ाकू विमान से दागी गई थी, जो पंजाब के होशियारपुर के पास एक खेत में गिरी थी। मिसाइल टारगेट को हिट करने में विफल रही और बिना विस्फोट के सुरक्षित बरामद कर ली गई। डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के लिए यह दुर्लभ खुफिया अवसर था, क्योंकि यह मिसाइल आत्म-विनाश तंत्र के बिना थी।

इसके बाद वैज्ञानिकों ने इसकी तकनीकी संरचना और रडार प्रणाली का गहराई से अध्ययन किया।

चीनी हथियार की उन्नत खूबियां

की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच में सामने आया कि चीनी PL-15 मिसाइल में कई उन्नत विशेषताएं हैं। -इनमें उन्नत प्रणोदक युक्त लघु AESA रडार – मैक 5 से अधिक गतिबनाए रखने की क्षमता

– बेहतर एंटी-जैमिंग तकनीक शामिल है। पाकिस्तान की नई हथियार खरीद योजना रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान वायुसेना अब चीन से लंबी दूरी की क्क-17 मिसाइलें और तुर्की से 2,000 कामिकेज़ ड्रोन (YIHA) खरीदने की कोशिश में है।

पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन अब ब्रह्मोस की पहुंच में है : राजनाथ

ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि जीत हमारी आदत बन गई है; हमें अपनी क्षमताओं को और बढ़ाना होगा

पीआईबी

रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने 18 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण सुविधा केंद्र में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के एक प्रमुख घटक, इस अत्याधुनिक सुविधा का 11 मई, 2025 को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा वर्चुअल उद्घाटन किया गया और पांच महीनों के अंदर, मिसाइलों की पहली खेप तैनाती के लिए तैयार हो गई। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह इस अवसर पर कहा कि ब्रह्मोस केवल एक मिसाइल नहीं, बल्कि राष्ट्र की बढ़ती स्वदेशी क्षमताओं का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल में एक पारंपरिक वारहेड और एक उन्नत निर्देशित प्रणाली है और यह सुपरसोनिक गति से लंबी दूरी तक वार करने की क्षमता रखती है। गति, सटीकता और शक्ति का यह संयोजन ब्रह्मोस को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से एक बनाता है। यह हमारे सशस्त्र बलों की रीढ़ बन गई है।

श्री राजनाथ सिंह ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस की भूमिका पर कहा कि इस मिसाइल ने यह साबित कर दिया है कि यह परीक्षण से कहीं आगे बढ़ चुकी है और राष्ट्रीय सुरक्षा का सबसे बड़ा व्यावहारिक प्रमाण बन गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन अब ब्रह्मोस की पहुंच में है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि जीत हमारी आदत बन गई है और अब हमें अपनी क्षमताओं को और बढ़ाना होगा। यह ऑपरेशन तो बस एक ट्रेलर था। इसने पाकिस्तान को एहसास दिला दिया है कि आगे क्या हो सकता है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत उस मुकाम पर खड़ा है जहां वह अपनी सुरक्षा को मज़बूत कर रहा है और दुनिया को दिखा रहा है कि वह रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक विश्वसनीय साझेदार है। ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियों ने साबित कर दिया है कि मेड-इन-इंडिया अब एक नारा नहीं, बल्कि एक वैश्विक ब्रांड बन गया है। उन्होंने कहा कि चाहे फिलीपींस को ब्रह्मोस का निर्यात हो या भविष्य में अन्य देशों के साथ सहयोग, भारत अब सिर्फ़ लेने वाले की नहीं, बल्कि देने वाले की भूमिका निभा रहा है। यही आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है, जिस विज़न के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वर्ष 2014 में अपनी यात्रा शुरू की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें एक ऐसे भारत का विज़न दिया है जो पूरी तरह विकसित, आत्मनिर्भर हो और वर्ष 2047 तक दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार हो। इस प्रयास में रक्षा क्षेत्र की भूमिका निर्णायक होगी।

भारत में होने वाले क्वाड समिट में भाग लें राष्ट्रपति ट्रंप', अमेरिकी सांसदों ने यूएस प्रेसिडेंट से की अपील

न्यूयॉर्क एजेंसी। अमेरिका के दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के सांसदों ने मिलकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आग्रह किया है कि वे भारत में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन समेत एशिया की अहम बैठकों में खुद मौजूद रहें। इस पहल की अगुवाई प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के सदस्य ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स ने की है। इस पत्र पर यंग किम, एमी बेरा, बिल ह्यूजेंगा और सिडनी कैमलेगर-डव सहित कई सांसदों के हस्ताक्षर हैं। पत्र में कहा गया है कि इंडो-पैसिफिक इलाका अमेरिका की सुरक्षा और वैश्विक रणनीति का अहम केंद्र है। सांसदों का मानना है कि जब चीन इस क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, तब अमेरिकी राष्ट्रपति की सक्रिय मौजूदगी जरूरी है ताकि वाशिंगटन

का नेतृत्व स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सांसदों ने ट्रंप से अपील की है कि वे इस साल होने वाले तीन बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों–मलेशिया में ईस्ट एशिया समिट, दक्षिण कोरिया में एपीईसी सम्मेलन और भारत में क्वाड लीडर्स मीट–में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लें। उनका कहना है कि इससे अमेरिका की प्रतिबद्धता और क्षेत्रीय सहयोगियों में भरोसा मजबूत होगा। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ बना क्वाड गठबंधन इंडो-पैसिफिक में स्थिरता और संतुलन बनाए रखने का प्रमुख साधन है।

बिहार में धुंआधार चुनाव प्रचार कर रहे सांसद संतोष पांडेय

निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर का किया भ्रमण

कवर्धा संवाददाता

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता संतोष पांडेय पार्टी हाईकमान के निर्देश पर बिहार विधानसभा चुनाव में मोर्चा सँभाले हुए हैं। सांसद पांडेय को बिहार राज्य के पूर्वी चंपारण लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है

सांसद संतोष पांडेय द्वारा अपने प्रभार क्षेत्र में भाजपा व एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में धुंआधार चुनाव प्रचार किया जा रहा है। वे लगातार छोटी-बड़ी बैठक व सभाएं ले रहे हैं। भाजपा व एनडीए सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। सांसद पांडेय मोतिहारी जिले के नारायणपुर, केसरिया विधानसभा अंतर्गत केसरिया मंडल, पीपरा विधानसभा अंतर्गत चकिया मंडल, गोविंदगंज विधानसभा अंतर्गत संग्रामपुर मंडल सहित अन्य स्थानों में बैठक व जनसंपर्क किया। सांसद पांडेय ने बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर विधानसभा अंतर्गत कैथवलिया गांव के पास निर्माणाधीन विश्व के सबसे बड़े व भव्य ÷विराट रामायण मंदिर÷ को आकार लेते हुए प्रत्यक्ष रूप से देखा।

सांसद पांडेय ने कहा कि यह दिव्य-भव्य-रम्य मंदिर न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि विश्व पटल पर रामायण के अमर काव्य को और भी भव्य रूप प्रदान करेगा। यह मंदिर मात्र एक भवन नहीं, अपितु भगवान श्रीराम के जीवन-लीला का जीवंत प्रतिबिंब है, जो आस्था, वास्तुकला और भक्ति का अनुपम संगम बनेगा। विराट रामायण मंदिर एक त्रिस्तरीय संरचना है, जो 3.76 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में विस्तृत है। इसकी लंबाई 1080 फुट, चौड़ाई 540 फुट और मुख्य शिखर की ऊँचाई 270 फुट है। मंदिर परिसर में कुल 12 शिखर होंगे। यहां विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग–33 फुट ऊँचा,33 फुट चौड़ा और 210 मीट्रिक टन वजनी सहस्त्रलिंगम सहित यह शिवलिंग भक्तों के लिए आध्यात्मिक आकर्षण का केंद्र बनेगा। यह वर्तमान में कंबोडिया में स्थित विश्व के सबसे बड़े मंदिर अंगकोर वाट से भी बड़ा व भव्य होगा।

शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में खिलाड़ियो ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन किया

गौरेला ।बिलासपुर में 15 से 18 अक्टूबर तक आयोजित 25वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में जीपीएम जिले के खिलाड़ियो ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रौशन किया। प्रतियोगिता में कबड्डी बालक एवं बालिका 14 एवं 17 वर्ष, बेशबॉल बालक एवं बालिका 14,17,19 वर्ष और कराते बालक एवं बालिका 14,17,19 वर्ष विधा आयोजित थी। जिले के खिलाड़ियो के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बदौलत इस प्रतियोगिता में बिलासपुर संभाग ने चैंपियनशिप ट्रॉफ़ी अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में जीपीएम जिले से विभिन्न वर्गों से सभी विधाओ में शामिल खिलाड़ियो का उत्कृष प्रदर्शन रहा। कराते 14 वर्ष बालक वर्ग में एन. सूरज और निहाल राठौर ने स्वर्ण पदक जीते। विनायक चक्रधारी ने रजत पदक और राजवीर जैसवाल ने कास्य पदक, कराते 17 वर्ष बालक वर्ग में यमांक यादव और हर्ष यादव ने स्वर्ण पदक, हर्षित चक्रधारी ने रजत पदक, नलिन यादव और अवल राठौर ने कास्य पदक, कराते 19 वर्ष बालक वर्ग में आदित्य प्रताप सेन और कौशलेन्द्र पाव ने स्वर्ण पदक, कराते 14 वर्ष बालिका वर्ग में दिक्षा यादव ने रजत पदक, केशरी ने कास्य पदक, 17 वर्ष बालिका वर्ग में मन्नु राठौर ने स्वर्ण पदक, निर्जला राठौर, आयुषी पदवार और मिष्टि चक्रधारी ने रजत पदक और 19 वर्ष बालिका वर्ग में ईश्वरी भगत ने स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी तरह कबड्डी प्रतियोगिता में बालक और बालिका 14,17 वर्ष वर्ग ने स्वर्ण पदक एवं बेसबॉल बालक 14,17,19 वर्ष वर्ग ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से गन्ना किसानों को दीपावली पर मिला बड़ा तोहफा

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों से गन्ना किसानों को दीपावली पर मिला बड़ा तोहफा

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के गन्ना उत्पादक किसानों को 11.09 करोड़ रुपये का बोनस भुगतान

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के सतत प्रयासों एवं किसान हितैषी दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कवर्धा द्वारा जिले के गन्ना उत्पादक किसानों को दीपावली पर्व के अवसर पर बड़ा आर्थिक लाभ प्रदान किया गया है। कारखाना प्रबंधन द्वारा पिछले पेराई सत्र में गन्ना विक्रय करने वाले किसानों को शासन की ओर से 11.09 करोड़ रुपये का बोनस भुगतान किया गया है। यह बोनस भुगतान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष पहल एवं प्रयासों से संभव हुआ है। उनके नेतृत्व में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध भुगतान और बोनस वितरण सुनिश्चित किया गया है।भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कवर्धा ने पेराई सत्र 2024-25 के दौरान किसानों से खरीदे गए गन्ने का 115.44 करोड़ रुपये का संपूर्ण भुगतान कर प्रदेश की सभी शुगर मिलों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि कारखाने की पारदर्शी कार्यप्रणाली, कुशल प्रबंधन एवं सहकारिता की सुदृढ़ भावना का परिचायक है। दीपावली से पूर्व किसानों को बोनस भुगतान प्राप्त होने से पूरे जिले के कृषक समुदाय में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण व्याप्त है। बोनस राशि के भुगतान न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएगी, बल्कि किसानों का विश्वास को और अधिक मजबूत करेगी।

इस्पात भवन के समक्ष रोड डिवाइडर को मिला नया स्वरूप

भिलाई (। इस्पात भवन के समक्ष स्थित रोड डिवाइडर का उन्नयन कर उसे सुंदर एवं आकर्षक रूप प्रदान किया गया। नगर सेवाएं विभाग की इस पहल का उद्देश्य इस्पात भवन परिसर के समक्ष सौंदर्यीकरण और पर्यावरणीय समृद्धि को बढ़ावा देना है। आज दिनांक 17 अक्टूबर, 2025 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) बिजय कुमार बेहेरा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संदीप माथुर तथा मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) उत्पल दत्ता की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर इसका उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस रोड डिवाइडर में फव्वारें व पीएम ट्रॉफी तथा छत्तीसगढ़ की आदिवासी लोककला का चित्रण किया गया है। इस अवसर पर महाप्रबंधक (नगर सेवाएं विभाग) ए. बी. निवास, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) शिवराजन, महाप्रबंधक (संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क विभाग) अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (जनसंपर्क विभाग) प्रशांत तिवारी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन ङ्क सचिवालय) सौमिक डे, महाप्रबंधक (संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क विभाग) राजीव कुमार, महाप्रबंधक (नगर सेवाएं विभाग) विष्णु पाठक तथा महाप्रबंधक (उद्यानिकी) डॉ. नवीन कुमार जैन सहित उप महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) आर. गर्ग, उप महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) डी. सी. सिंह, उप महाप्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) रवि कुमार फुले, सहायक महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) सरोज झा, विवेक गुप्ता, उप प्रबंधक (नगर सेवाएं) संजीव सरस्वत सहित नगर सेवाएं विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नवोदय विद्यालय मॉक टेस्ट परीक्षा शिक्षकों की सामूहिक पहल

अम्बागढ़ चौकी (जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी)। जनजाति विकास एवं उत्थान संस्थान संगठन जिला मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी एवं शिक्षक संकल्प टोली के तत्वावधान में विजन निःशुल्क कोचिंग संस्थान द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय मॉक टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:30 बजे से संस्कार उत्तर माध्यमिक विद्यालय, अम्बागढ़ चौकी में आयोजित होगी। इस मॉक टेस्ट परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के स्तर की तैयारी का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है, जिससे ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थी प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के प्रति अधिक सजग और आत्मविश्वासी बन सकें। कार्यक्रम का संचालन बी.ई.ओ. श्री एस. के.धीवर एवं बी.आर.सी. श्री संतोष पांडे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

परीक्षा आयोजन को सफल बनाने में मनहरण पिथौरा,लेकेश्वर ठाकुर, लेख राम ठाकुर, रतन ठाकुर, नीलकंठ कोमरे, दिलीप खरे, मनोज चंद्रवंशी, व्यासु साहू, पुखराज, राजेश्वर साहू, देव यादव, भजन साहू,विजय ठाकुर, रामकुमार, नरेश निषाद, सुभाष कुमार, सहित अम्बागढ़ चौकी के सभी शिक्षकगण सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया

संवाददाता

हेलमेट और सीट बेल्ट नियमों के उल्लंघनों पर होगी सख्ती

बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज सड़क सुरक्षा समिति, कानून व्यवस्था तथा एन-कॉर्ड समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने एवं यातायात के नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिया गया। एसएसपी रजनेश सिंह सहित पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य, राजस्व, शिक्षा, ड्रग्स कंट्रोल सहित अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में हो रही सड़क दुर्घटना एवं इसे रोकने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने ब्लैक स्पॉट एवं ग्रे-स्पॉट का पुनः परीक्षण कर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। जिले में फिलहाल 6 ब्लैक स्पॉट एवं 3 ग्रे-स्पॉट है। ब्लैक स्पॉट में सेंदरी चौक केानी, जाली मोड़ रतनपुर, मस्तुरी हाईवे तिराहा, भदौरा चौक मस्तुरी, पंथी चौक सीपत, जांजी बस स्टैण्ड सीपत शामिल है। जिले में ग्रे स्पॉट के रूप में नेहरू चौक, महाराणा प्रताप चौक और अशोक नगर चौक को चिन्हित किया गया है। एसएसपी रजनेश सिंह ने बताया कि लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने पर वर्ष 2025 में 689 लायसेंस निलंबित किया गया है। एसएसपी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट नियमों के उल्लंघन पर सख्ती बरती जाएगी। लर्निंग लायसेंस और जागरूकता के लिए स्कूल-कॉलेजों में कैम्प लगाया जाए। यातायात शिक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव भी दिया गया।

एन-कॉर्ड की बैठक -

कलेक्टर ने युवाओं को नशे से बचाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। पुलिस ड्रग्स कंट्रोल और स्वास्थ्य विभाग संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई करें और पुनर्वास योजना चलाएं। कलेक्टर ने जानकारी ली कि कितने दवा दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये है। बताया गया कि 2 हजार 214 में से 2 हजार 11 दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये है।

कानून व्यवस्था की समीक्षा -

कलेक्टर एवं एसएसपी ने जिले में कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी त्यौहारों और आयोजनों हेतु सतर्कता बरती जाए। भीड़-भाड़ क्षेत्रों में गश्त बढाएं और सीसीटीवी निगरानी सुदृढ़ की जाए। उन्होंने एसडीएम एवं एसडीओपी को संयुक्त रूप से अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर कानून व्यवस्था बनाए रखने कहा। उन्होंने असामाजिक तत्वों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। पुलिस को लगातार पेट्रोलिंग करते रहने भी कहा।

महिला पंथी को स्थापित करने में स्व. अमृता का योगदान अतुलनीय :कोर्सेवाड़ा

भिलाई (संवाददाता)। पुरखा के सुरता जन कल्याण समिति की ओर से 70 के दशक की ख्याति प्राप्त महिला पंथी कलाकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिनीमाता सम्मान प्राप्त अमृता बारले की द्वितीय पुण्यतिथि पर राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह ग्राम मोरिद भिलाई तीन में आयोजित किया गया। इस दौरान अतिथियों ने पंथी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को मुखरता प्रदान करने वाली स्व. अमृता बारले के योगदान का स्मरण किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक राजमहंत डोमन लाल कोर्सेवाडा और विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित तमाम अतिथियों ने शुरुआत में गुरु बाबा घासीदास की आराधना के बाद स्व. अमृता बारले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। अतिथियों का स्वागत करते हुए संयोजक पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि उनकी बहन स्व. अमृता बारले ने विपरीत परिस्थितियों में महिला पंथी की शुरुआत की और जीवन भर पंथी के प्रति समर्पित रही।

अहिवारा विधायक राजमहंत डोमलाल कोर्सेवाड़ा ने स्व. अमृता बारले के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सतनामी समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए महिला पंथी को स्थापित करने में उनका योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि स्व. अमृता बारले छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की मिसाल थीं और महिला पंथी कलाकार के तौर पर हमेशा याद की जाती रहेंगी।

स्व-सहायता समूहों की मेहनत में रंग भर रहा है बिहान बाजार

रायपुर : स्व-सहायता समूहों की मेहनत में रंग भर रहा है बिहान बाजार

एजेंसी

दीपावली का त्यौहार नजदीक आते ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं मिट्टी के दिए बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं. साथ ही समूह की महिलाएं आजिविका के लिए विभिन्न उत्पादों जैसे रंगोली, बांस से निर्मित सामग्रियां सहित अन्य हस्त निर्मित उत्पाद तैयार कर आजार में बेचने ला रही हैं. प्रशासन की पहल से रजत जयंती के अवसर पर इन उत्पादों को स्थानीय बाजार उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है.

समूहों के द्वारा 5500 से अधिक मिट्टी के दिये तैयार

बलरामपुर जिले के जिगड़ी ग्राम पंचायत में सक्रिय महिला स्व-सहायता समूह ने इस बार लगभग 5500 से अधिक मिट्टी के दिए तैयार किए हैं. पहले ये महिलाएं केवल घरेलू उपयोग के लिए दिए बनाती थीं, लेकिन अब जिला प्रशासन और ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से इन्हें व्यावसायिक रूप दिया गया है. राजपुर की जय मां अम्बे स्व-सहायता समूह और बलरामपुर की ज्योति समूह की दीदियां दिन-रात लगन से दिए तैयार कर रही हैं. इन दोनों समूह में 10-10 दीदियां शामिल हैं. समूह की अध्यक्ष श्रीमती सलिता गुप्ता बताती हैं कि पहले दीपावली पर बाहर से दिए खरीदते थे, अब हम खुद बना रहे हैं और बेच भी रहे हैं, ये हमारे लिए आत्मनिर्भर बनने का नया रास्ता मिला है.

रंगों और सुन्दर आकृतियों से सजाया गया दिया

समूह की महिलाएं कहती हैं कि दीयों को बनाने में प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है. समूह की महिलाओ के द्वारा सुंदर डिज़ाइनों, रंगों और आकृतियों में सजाया गया हैं. साथ ही आकर्षक तरीके से पैकेजिंग की गई है. इससे एक ओर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय हस्त कला को भी नई पहचान मिल रही है. महिला स्व-सहायता समूह में कार्यरत महिलाओ ने लगभग 5500 तैयार किए गए दिए और प्रशासन द्वारा उनके लिए बिक्री स्थल हेतु उपलब्ध कराया गया है.

बिक्री के लिए जिला प्रशासन की पहल

स्व-सहायता समूहों के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए जिला स्तर पर मार्केटिंग की व्यवस्था की गई है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा जगह-जगह 16 से 19 अक्टूबर तक बिहान बाजार लगाया जा रहा है. जहां स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की बिक्री के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाए गए हैं. जहां विभिन्न समूह की महिलाओं के द्वारा मिट्टी के दीपक, रंगोली, बांस से निर्मित सामग्रियां सहित अन्य हस्त निर्मित उत्पाद एवं सामाग्रियां बिक्री की जा रही हैं.

बालिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए चलाई जागरूकता मुहिम

भिलाई विश्व बालिका दिवस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-तीन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज दानी व खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया के मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन के डॉ. शिखर अग्रवाल व बीईटीओ सैयद असलम ने बताया कि बालिकाओं के अधिकार और उनकी स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और सामाजिक न्याय, शिक्षा पर स्वास्थ्य विभाग ने संगोष्ठी का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि हर साल 11 अक्टूबर को विश्व बालिका दिवस मनाया जाता है। आयोजन की इस श्रृंखला में इस दौरान बालिकाओं के अधिकार को उन तक पहुंचा कर समाज के प्रत्येक नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हमारी बालिकाएं स्वस्थ रहें। सैयद असलम ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की ओर से खून की कमी (एनीमिया) से बचाव करने साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड टेबलेट भोजन पश्चात स्कूलों में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को दी जाती है।

आदर्श विद्यालय की शुभी शुक्ला ने शूटिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

दीपावली से पहले शासकीय कर्मचारियों को अग्रिम वेतन भुगतान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शासन का संवेदनशील निर्णय

रायपुर, दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य शासन ने अपने शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माह अक्टूबर 2025 का वेतन 17 एवं 18 अक्टूबर को अग्रिम रूप से भुगतान करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सभी विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मेरे लिए शासन केवल तंत्र नहीं, बल्कि उन कर्मठ साथियों का परिवार है जो पूरे मन से जनता की सेवा में लगे हैं। दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान का यह निर्णय उसी आत्मीयता का प्रतीक है – कि सरकार अपने हर साथी की खुशियों में सहभागी बने और हर घर में उजियारा तथा प्रसन्नता फैले। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व प्रसन्नता, एकता और उत्साह का प्रतीक है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी इस पर्व को परिवार सहित उल्लासपूर्वक मना सके और किसी प्रकार की आर्थिक असुविधा का सामना न करना पड़े। वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न करने हेतु राज्य के सभी कोषालय एवं उपकोषालय 18 अक्टूबर (शनिवार, अवकाश दिवस) को भी खुले रहेंगे, ताकि किसी कर्मचारी को भुगतान प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मजदूरी, मानदेय एवं पारिश्रमिक जैसे अन्य मदों में भी नियमानुसार अग्रिम भुगतान किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान से न केवल शासकीय कर्मचारियों को आर्थिक सुविधा और राहत प्राप्त होगी, बल्कि इससे जीएसटी बचत उत्सव के दौरान राज्य के बाजारों में रौनक, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और आर्थिक प्रवाह में तीव्रता आएगी।

अब राज्य स्तरीय बाढ़ नियंतत्रण बंद

रायपुर, । छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा रायपुर स्थित क्षेत्रीय उपायुक्त, भू-अभिलेख कार्यालय, गांधी चौक मे राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई थी। अब भारत सरकार मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लालपुर रायपुर के द्वारा दी गई जानकारी राज्य के अनुसार 16 अक्टूबर को संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य से दक्षिण-पश्चिम मानसून 2025 की वापसी हो गई है, इसके फलस्वरूप राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय बाढ नियंत्रण कक्ष अब आज 17 अक्टूबर 2025 से बंद कर दिया गया है।

वर्षा-तेज हवा के कारण धान की फसल हुई प्रभावित

0-बालियों सहित पौधा खेतों में गिरने से हो रहा कीट प्रकोप, धान की गुणवत्ता प्रभावित होन की आशंका

रायपुर, प्रदेश में तेज हवा के कारण धान की खड़ी फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अलग-अलग जिलों में धान की फसल जमीन में गिर गई है, जिसके कारण अब धान की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। राजधानी रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद मुंगेली तथा अन्य जिलों में धान की फसल पर इस समय वर्षा और तेज हवा का विपरीत प्रभाव पड़ा है। मानसून की विदाई के साथ अब मौसम साफ हो गया है, जाते जाते धान की फसल को प्रभावित कर दिया है। धान बालिया निकल गई है। जिसके कारण अब धान शीघ्र ही पक जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार कीट प्रकोप काप्रभाव भी अनेक जिलो में हुआ है। इसकी रिपोर्ट आ गई है। राज्य में अगले महीने से धान कटाई का काम शुरू हो जाएगा। वर्तमान में खेतों में पानी भरा हुआ है। किसानों और अधिकारियों के अनुसार इससे धान की गुणवत्ता प्रभावित होगी। राज्य में इस वर्ष अच्छी वर्षा होने के कारण धान की पैदावार अच्छी हुई है। लेकिन अत्यधिक वर्षा और तेज हवा के कारण धान की बालियां सहित पौधा जमीन पर गिर गया है, जिसे देखते हुए किसान काफी परेशान है। राज्य में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो रही है। किसान गोवर्धन पूजा और दीपावली के पश्चात धान की कटाई करेंगे, फिलहाल साफ मौसम का इंतजार किया जा रहा है।

प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुँचा सक्ती जिला
30 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का घर

प्रधानमंत्री आवास योजना में रचा नया कीर्तिमान

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नवगठित सक्ती जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में एक नया इतिहास रच दिया है। नवगठित जिला होने के बावजूद, सक्ती ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 में 30 हजार 512 आवास पूर्ण कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल संख्यात्मक सफलता का प्रतीक है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन में आई स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान की कहानी भी है, जिन्होंने वर्षों तक कच्चे और असुरक्षित मकानों में जीवन व्यतीत किया था।

कच्चे से पक्के घरों तक का सफर-सक्ती बना मिसाल

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सक्ती जिले में अब तक वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 44 हजार 319 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95: लक्ष्य प्राप्ति दर्शाता है। वहीं, वर्ष 2024-25 में 30 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर जिले ने मिशन मोड में

कार्य का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हर गरीब का पक्का घर राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता रही है । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छतीसगढ़ के सभी जिलों में

यह योजना प्रभावी ढंग से संचालित हुई। नियमित फील्ड विजिट, समयबद्ध वित्तीय सहायता, और हितग्राहियों के साथ सतत संवाद के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई।

टीमवर्क और जनसहभागिता से मिली सफलता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी कीर्तन चंद्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता रही है कि पात्र परिवारों तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। टीमवर्क और ग्रामीणों के सहयोग से ही यह संभव हुआ है। कलेक्टर ने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। सक्ती जिला इसी दिशा में सतत प्रगति कर रहा है।

वित्तीय पारदर्शिता और तेज क्रियान्वयन वर्ष 2024-25 के लिए जिले को कुल 63 हजार 591 आवासों का लक्ष्य मिला, जिनमें से 52हजार 913 आवासों को स्वीकृति दी गई। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने हेतु सरकार द्वारा तीन किश्तों में वित्तीय सहायता प्रदान की गई । पहली किश्त में 51हजार 427 हितग्राहियों को,दूसरी किश्त में 40 हजार 318 हितग्राहियों को और तीसरी किश्त में 25 हजार 65 हितग्राहियों को वित्तीय सहायता दी गई। समय पर किश्तें जारी होने से निर्माण कार्यों में तेजी आई और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा किया जा सका।

गरीब परिवारों के जीवन में आया बदलाव – प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अंचलों के गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई किरण जगाई है। पक्के घरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिला, बुजुर्गों को मौसम से सुरक्षा मिली और महिलाओं को घर-परिवार के संचालन में सुविधा हुई। यह योजना अब केवल आवास निर्माण कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है।

मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल -पारदर्शिता की दिशा में पहल

शासन द्वारा प्रारंभ किया गया मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल हितग्राहियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से कोई भी पात्र व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति और पात्रता की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है, जिससे योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समय पर किस्त जारी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार की सहायता राशि तीन किश्तों में प्रदान की जाती है जिसके अन्तर्गत प्रथम किश्त में 40हजार, द्वितीय किश्त में 55 हजार और तृतीय किश्त में 25 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इसका उद्देश्य है कि कोई भी ग्रामीण परिवार बेघर न रहे और प्रत्येक पात्र हितग्राही को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास प्राप्त हो सके।

झूरा जलाशय एवं खडगवां जलाशय योजना के कार्यों के लिए 6.11 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर, छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले की दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 6 करोड़ 13 लाख 34 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। स्वीकृत कार्यों में विकासखण्ड-मनेन्द्रगढ़ की झुरा जलाशय के नहरों की जीर्णोद्धार कार्य हेतु 4 करोड़ 20 लाख 92 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इसी तरह से विकासखण्ड-खड़गवां जलाशय योजना के नहर की जीर्णोद्धार कार्य हेतु 1 करोड़ 93 लाख 42 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्य को कराने के लिए जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति किये गये हैं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिँह की पुण्यतिथि 21 को

रायपुर, नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह की पुण्यतिथि दिनांक 21 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे जी ई मार्ग में छत्तीसगढ़ बुनकर सोसायटी आमापारा स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 5 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में विक्रेताओं के लिए सतर्कता जागरूकता संवाद समारोह का आयोजन

रायपुर,

सतर्कता जागरूकता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा सतर्कता विभाग के सहयोग से विक्रेताओं के लिए एक संवादात्मक मिलन समारोह का आयोजन इस्पात भवन में किया गया। यह कार्यक्रम पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिक व्यावसायिक व्यवहार को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण से हुई, जिसमें उपस्थित अधिकारियों और विक्रेताओं ने अपने सभी लेन-देन में निष्पक्षता और नैतिकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए. के. चक्रवर्ती उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं सहायक मुख्य सतर्कता अधिकारी (एसीवीओ) श्री सुनील सिंघल ने भाग लिया। सामग्री प्रबंधन विभाग की ओर से मुख्य महाप्रबंधक श्री के. सी. मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक श्री ए. के. मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सतर्कता विभाग की ओर से महाप्रबंधक श्री संदीप गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक श्री हिमांशु दवे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराने च्वाईस सेंटरों का चक्कर काट रहे किसान
30 अक्टूबर को अंतिम तिथि होने के कारण किसान चिंतित

गांव स्तर पर कोटवारों से मुनादी कराई जा रही है।

पंजीयन के नाम पर किसानों को मागे जा रहे दस्तवावेज

धान उपार्जन 2025-26 : किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ – राज्य शासन ने की विस्तृत तैयारी

रायपुर,। राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी के लिए एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराने के लिए किसान ज्वाईस सेंटर सहित विभिन्न सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे हैं, इसके साथ ही सहकारी बैंकों में खातों का नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण इस समय राज्य के सभी सहकारी बैकों आवश्यक दस्तोवज जाम कराया जा रह है।

सरकार द्वारा 15 नवंबर से धान खरीदी की जाएगी। इसके लिए किसानों को एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है, इसमें किसानों के धान का रकबा राजस्व ऋण पुस्तिका आधार कार्ड तथा पैन कार्ड का फोटो स्टेट दिया जात ै, पंजीयन के पश्चात पटवारी प्रमाणित करता है, जिसे तहसीलदार अनुशंसा करता है। इसके पश्चात ही यह फाइल सहकारी समितियों जमा की जाती है। इस समय पूरे प्रदेश भर के किसान पंजीयन केन्द्रों और सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे है। च्वाईस सेंटर वाले भी इसका फायदा उठा रहे हैं।

बारदाने की भी व्यवस्था की जा रही है, जूट के बारदाने के लिए जूट कमिश्नर को पत्र लिखा गया है, वहीं एकल प्लास्टिक बोरा भी खरीदा जाएगा। मार्कफेड द्वारा धान खरीदी के लिए 50 करोड़ से अधिक की राशि कर्ज के रूप में ली जाएगी। वहीं 2739 केन्द्र खोले जा रहे हैं।

पारदर्शी खरीदी योजना धान उपार्जन की प्रक्रिया को अधिक कृषक उन्मुख, दक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा संभागवार जिला स्तरीय अधिकारियों की कार्यशाला सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, प्रबंध संचालक, विपणन संघ तथा संचालक, खाद्य विभाग के मार्गदर्शन में रायपुर एवं बिलासपुर संभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को 15 अक्टूबर 2025 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में जिलों से नोडल अधिकारी के रूप में अपर कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर सम्मिलित हुए, साथ ही जिला विपणन अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी, उप-पंजीयक / सहायक पंजीयक सहकारिता, संग्रहण केंद्र प्रभारी, उपार्जन केंद्र प्रभारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर आदि भी प्रशिक्षणार्थी के रूप में उपस्थित थे।

हर घर इस दीपावली में स्वदेशी समान हर भारतीय खरीदे सैल्यूट तिरंगा का संदेश – राजेश झा

रायपुर, राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का 16 अक्टूबर आज भिलाई शहर में आगमन राष्ट्रीय संरक्षक सांसद विजय बघेल जी के निवास पर हुआ इस अवसर पर माननीय सांसद जी ने भिलाई आगमन पर उनका पुष्प कुछ से स्वागत किया और छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा हितेश तिवारी, मनोज ठाकरे फौजी अरुण सावरकर प्रशांत क्षीरसागर द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया है इस अवसर पर राष्ट्रवादी संगठन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के विषय में और आगामी कार्यक्रम को लेकर विचार मंथन हुआ। उक्त आशाय की जानकारी सैल्यूट तिरंगा संगठन के प्रदेश महामंत्री मनोज ठाकरे ने बताया। विगत 8 वर्षों से राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा भारत सहित भारत के बाहर 15 देश में सतत कार्य कर रहा है आज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आठवें स्थापना दिवस को लेकर पूरे देश राज्यों में स्वदेशी अपनाना जागरूकता जनमानस में लाने के लिए भ्रमण करने के लिए उन्होंने एक पखवाड़ा के रूप में अलग-अलग राज्यों में भेंट करते हुए आज लोकप्रिय सांसद संगठन के संरक्षक माननीय विजय बघेल जी से भेंट की इस अवसर पर उन्होंने बताया की पूरे देश में माननीय नरेंद्र मोदी जी का व्यक्तित्व उनके कार्य की सराहना हो रही है हमारा संगठन भी उनके द्वारा देशहित में चलाए जा रहे हैं स्वदेशी का नारा को लेकर हम संगठन के माध्यम से इस दिवाली में हमारा संदेश होगा कि आप छोटे से छोटे अंतिम व्यक्ति द्वारा बनाए गए उत्पादन दिए मिठाई एवं अन्य वस्तुएं जरूर स्वदेशी खरीदे जिससे हमारा देश आत्मनिर्भर होगा और विकास भी होगा। इस अवसर पर माननीय सांसद जी ने संगठन द्वारा स्वदेशी जागरण को लेकर किए जा रहे हैं कार्यों की सहारण की अध्यक्ष जी ने जानकारी दी की 26 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पूरे भारत के उत्कृष्ट कार्य करने वाले पर्यावरण शिक्षा चिकित्सा वैज्ञानिक सुरक्षा खेल साहित्य आध्यात्मिक के अलावा अन्य अन्य विद्या में जिन्होंने अच्छा कार्य किया है उन्हें सम्मानित किया जाएगा जिसकी प्रविष्टि 10 नवंबर तक जमा की जाएगी। इस अवसर पर माननीय सांसद विजय बघेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा, हितेश तिवारी,महामंत्री मनोज ठाकरे, प्रदेश मीडिया प्रभारी आदित्य टंडन जिला प्रचारक प्रशांत क्षीरसागर, युवा प्रदेश अध्यक्ष अरुण सावरकर फौजी सचिन आनसान महेश गुप्ता. नासिर भाई प्रवीण लालवानी जितेंद्र साहू राजेंद्र सहित अनेक सलूट तिरंगा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

0 आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

0 ग्रामीण समृद्धि की नई पहचान, तकनीक और परिश्रम से तरक्की की सफर

रायपुर, संवाददाता। छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव : आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी।

जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यतः पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था। विगत 25 वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है, जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है।

आधुनिक पद्धतियों से मछली पालन के लिए कृषकों और युवाओं में आकर्षण

यह केवल आँकड़ों की प्रगति नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मछुआ परिवारों की समृद्धि का सूचक है, जिनके जीवन में इन योजनाओं ने स्थायित्व और सम्मान जोड़ा। जिले में मत्स्य पालन को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु कई नवीन विधियों को अपनाया गया है। इसमें प्रमुख हैं- प्लेकटान ग्रोवर तकनीक-810 इकाइयाँ, झींगा पालन इकाइयाँ-517, केज कल्चर यूनिट्स-436, बायोफ्लॉक एवं पॉन्ड लाइनर पद्धति-जिनसे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार हुआ। इन आधुनिक पद्धतियों ने विशेष रूप से छोटे कृषकों और युवाओं को आकर्षित किया है, जो अब मत्स्य पालन को एक लाभकारी उद्यम के रूप में देख रहे हैं।

मिठाईयों के दाम दीपावल पर आसमान छू रहे
मध्यम वर्गीय निम्न वर्गीय परिवार के लिए बना मुसीबत

रायपुर, । दीपावली करीब आते ही शहर के मिष्ठान भंडारों में मिठाईयों के दाम में जमकर वृद्धि हुई है जिसके चलते निम्न वर्गीय परिवार एवं मध्यम वर्गीय परिवार बढ़ी हुई महंगाई के चलते मिष्ठान में क्या खरीदे यह सोच में पड़ गये है। शहर में मिठाई के दाम 320 रुपये से लेकर 2 हजार प्रति किलो के भाव से विक्रय किये जा रहे हैं। इधर त्योहार आते ही नकली खोवा और पनीर को खपाने के लिए भी एक गैग द्वारा बाहर से लाकर बिक्री किया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ताओं में डर का माहौल है। छग शासन के औषधि एवं खाद्य प्रशासन विभाग द्वारा अब तक जैसी कार्रवाई होनी चाहिए थी वैसी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। मिठाईयों पर मूल्यों पर नियंत्रण नहीं होने पर मिष्ठान व्यापारियों द्वारा घी की बनी मिठाई को तेल से बनाकर बेचा जा रहा है। जमकर मूल्य वृद्धि होने के कारण इस वर्ष उपभोक्ताओं में दीवाली शुरू होने के एक दिन पहले तक गत वर्षों में जो बिक्री हुई है उसके मुकाबले इस वर्ष मिष्ठान बिक्री में कमी आई है।

प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर पुलिस ने ऑपरेशन निश्चय के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक और सफलता हासिल की है। थाना आमानाका क्षेत्र अंतर्गत एम्स अस्पताल के पास, जी.ई. रोड टाटीबंध में दो व्यक्तियों को प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 40 नग प्रतिबंधित सिरप जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 5,000 बताई गई है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 340/25 धारा 21, 29 नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)

संपादकीय

गूगल का महा-निवेश नई उन्नति का प्रतीक

अमेरिका ने पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अपने एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में खुद को अग्रणी बनाए रखने की बड़ी योजना बनाई है। गूगल भारत में आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस हब की स्थापना के लिए 15 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसके तहत विशाखापत्तनम में एक गिगावाट का डेटा सेंटर बनाया जाएगा। यह अमेरिका से बाहर एआई डेटा सेंटर बनाने की गूगल की योजना का हिस्सा है। इसके पहले माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी भारत में डेटा सेंटर बनाने का एलान कर चुकी हैं, हालांकि उनके प्रस्तावित निवेश का स्तर गूगल से काफी कम है। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में फिलहाल एआई में निवेश की होड़ लगी हुई है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खाड़ी देशों की अपनी पिछली यात्रा के दौरान अमेरिकी एआई परियोजना में पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त ।

पत्थर के शब्द

संजीव ठाकुर

धीरे-धीरे पत्थर बनता है मनुष्य, हँसी फीकी पड़ती ,
शब्द ठहर जाते ,
अँधेरा भीतर घुस आता ,
और प्रेम भी सिर्फस्मृति में रह जाता ।
ओस की बूँद जैसी आँखें सूख जाती , संध्या की धुंध में मुस्कान खो जाती ,
भीतर की नदिया जम जाती ,
और गूँज में शब्द ढँक जाते ,
पत्थर बनकर भी भीतर झरती रहती नदी। दरारें पड़ती हैं मन में,
हँसी लोहा बन जाती , धरती भी काँपती नहीं, वह खुद कठोर पाषाण बन जाता , मौन उसकी विद्रोही प्रार्थना बन जाता।
धीरे-धीरे उसका जीवन एक ठहराव में बदल जाता ,
जहाँ संवेदना सूख जाती , शब्द धूल बन जाते और वह जीवित रहते हुए भी
अंदर से निर्जीव हो जाता ।
फिर भी कहीं भीतर
एक धीमी धड़कन बच जाती , जैसे पत्थर में फँसी नमी
कभी-कभी चमक दिखा देती , याद दिलाती मनुष्य अब भी कहीं, जी रहा ।

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

हरदीप एस. पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे-जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।

हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फ़ीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100त्न शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोज़गार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मज़बूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता- पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)।

दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज़्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के ज़रिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16% से ज़्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है।

हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8% किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं- मज़बूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज़्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई-कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15त्न ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋ़ण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है।

भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं- एक ऐसे देश की, जो कभी नाज़ुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है। यह दुखद सच्चाई है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की सोच को कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। वे अब भी इसे बीसवीं सदी की पुरानी सोच से देख रहे हैं। आत्मनिर्भरता का मतलब अलग-थलग रहना नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ है- अपनी शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना। यह वह ताकत है जो भारत को बराबरी के आधार पर वैश्विक स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता देती है।

इसका उद्देश्य है- भारत में बनाना, लेकिन दुनिया के लिए अवसरों को विकेन्द्रित करना, ताकि मूल्य उन तक पहुंचे जो उसे बनाते हैं और वैश्विक बाज़ारों में समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना। मोबाइल फ़ोन, रक्षा उपकरण, चिकित्सा यंत्रों से लेकर सौर मॉड्यूल तक- उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत में निवेश, रोज़गार और निर्यात तीनों को तेज़ी से बढ़ावा दिया है।

50, 000 करोड़ की लागत से अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, हमारे अनुसंधान और विकास तंत्र को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। स्टार्टअप्स के लिए दूसरा फंड-ऑफ-फंड्स और पीएलआई योजनाओं का विस्तार भारत की तकनीकी नींव को और गहरा बनाएगा। यही है रणनीतिक स्वतंत्रता के रूप में आत्मनिर्भर भारत, जो आत्मविश्वास पर आधारित नीतियों के ज़रिए साकार और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से और भी मजबूत बनता है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल सार्वजनिक ढांचा तैयार किया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब वीज़ा की तुलना में अधिक दैनिक लेनदेन को संभालता है, जो प्रतिदिन 650 मिलियन से अधिक है। आधार, डिजिलॉकर और ओएनडीसी मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम बनाते हैं जो बड़े पैमाने पर नागरिकों, छोटे व्यवसायों और नवप्रवर्तकों को जोड़ता है। सिंगापुर, यूएई और अन्य के साथ यूपीआई की वैश्विक साझेदारियां दर्शाती हैं कि भारतीय नवाचार वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है। यह है- तकनीक के रूप में शासन , सशक्तिकरण और निर्यात। इस पूरी कहानी के केंद्र में लोग ही हैं। हमारा प्रवासी भारतीय समुदाय, जो 3.2 करोड़ से अधिक है, दुनिया के सबसे सफल और सम्मानित समुदायों में से एक है। आज फार्च्यून 500 की 11 कंपनियां ऐसे भारतीय मूल के सीईओ के नेतृत्व में हैं, जिनका संयुक्त मार्केट कैपिटलाइजेशन 6 ट्रिलियन डॉलर से भी ज़्यादा है। उनकी यात्रा नए भारत की आकांक्षाओं को दर्शाती है- कुशल, आत्मविश्वासी और समाधान केंद्रित। साल 2024 में 135 अरब डॉलर की रक़म के रूप में आए धन प्रेषण सिर्फ़ आर्थिक प्रवाह नहीं हैं। वे भारत पर विश्वास का प्रतीक हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार कहा है- विदेश में रहने वाला भारतीय सिर्फ प्रवासी नहीं, बल्कि भारत के मूल्यों और उद्यमशीलता का दूत है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस फैली हुई वैश्विक ऊर्जा को घरेलू आधार प्रदान किया है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया केवल अलग-अलग पहल नहीं हैं। ये एक जुड़ी हुई मूल्य श्रृंखला हैं- अवसर पहचानना, उद्यमिता को सक्षम बनाना, और प्रतिभा को तैयार करना। अगला कदम है- एक व्यापक वैश्विक कौशल मिशन, जो इन पहलों को एक ही ढांचे में एकजुट करेगा। इसमें शामिल होंगे- मानकीकृत पाठ्यक्रम, जो अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्रों से मेल खाते हों, कर्मचारियों के लिए प्रस्थान पूर्व प्रशिक्षण, भाषा और सांस्कृतिक प्रशिक्षण, और पोर्टेबल सामाजिक सुरक्षा समझौते। ये सभी उपाय भारतीय कामगार को दुनिया भर में पसंदीदा पेशेवर बनाएंगे। यह एजेंडा पहले ही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति के तहत बनाए गए कई जी2जी साझेदारियों के माध्यम से लागू हो रहा है।

इसलिए हनुमान की छलांग का प्रतीकात्मक महत्व उपयुक्त है। यह कोई विरोध का कार्य नहीं था, बल्कि कर्तव्य का निर्वाह था, जो आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से संभव हुआ। प्रधानमंत्री मोदी की शासन दर्शन भी इसी विश्वास पर आधारित है कि भारत की नियति अपने लोगों की संकल्पशक्ति और संभावनाओं को जागृत करने में निहित है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल रूपांतरण, हरित ऊर्जा और वैश्विक साझेदारियां इस जागृति के साधन हैं। जहाँ दूसरे दीवारें बनाते हैं, भारत क्षमता का निर्माण करता है।

जहाँ दूसरे व्यापार को सीमित करते हैं, भारत अवसर बढ़ाता है। जहां दूसरे भविष्य से डरते हैं, भारत उसकी तैयारी करता है ।

हनुमान की छलांग स्मृति की पुनर्प्राप्ति थी।प्रधानमंत्री मोदी का प्रयास यही रहा है कि भारत की क्षमता की राष्ट्रीय स्मृति को फिर से जागृत किया जाए। जब दूसरे दीवारें खड़ी करते हैं, तो भारत क्षमता का निर्माण करता है। जहां दूसरे अवसर सीमित करते हैं, भारत उन्हें बढ़ाता है। यही तरीका है जिससे सभ्यता में निहित आत्मविश्वास आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक ताकत में बदल जाता है। जैसे-जैसे हम दिवाली के करीब आ रहे हैं, यह याद रखना ज़रूरी है कि हनुमान की छलांग ने समुद्र को छोटा नहीं किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया। दुनिया नई बाधाएं खड़ी कर सकती है, लेकिन भारत के पास आज ऊंचा उठने के लिए नेतृत्व, लचीलापन और उद्देश्य है। प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के मार्गदर्शन में, यह ऐसा देश है, जो किनारे पर नहीं रुकेगा। यह अपनी ताकत को याद रखता है और आगे छलांग लगाता है।

यह निजी विचार है।

बिहार : 'वोट खरीद' की विद्रूपता के भरोसे एनडीए!

सत्येन्द्र रंजन

फिलहाल यही नजर आता है कि बिहार में 6 और 11 नवंबर को होने जा रहे मतदान एक सामान्य चुनाव का हिस्सा होंगे। इसमें कोई ऐसा नया तत्व नहीं है, जो मतदाताओं में नई आशाएं पैदा करे। प्रशांत किशोर नया तत्व जरूर हैं, मगर अरविंद केजरीवाल की यादें अभी इतनी ताजा हैं कि उनका नयापन कोई उम्मीद पैदा नहीं करता। तो कुल मिलाकर सूरत यह बनती है कि चुनावबाज दल, नेता, और मीडियाकर्मी (हर चुनाव की तरह) इस चुनाव को लेकर जितने उत्साहित नजर आते हैं, वैसे उत्साह की कोई वजह आम जन को शायद ही नजर आती होगी!

बिहार के सबसे नए राजनीतिक उद्यमी प्रशांत किशोर को इसका श्रेय देना होगा कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सत्ताधारी एनडीए को सुशासन के दावे और भ्रष्टाचार के मुद्दे से वंचित कर दिया है। वरना, लालू-राबड़ी के कथित जंगल राज का हौव्वा खड़ा करना हर चुनाव में एनडीए की खास रणनीति रहती थी। ये दीगर बात है कि इस बार जंगल राज की याद दिलाने की सबसे ज्यादा कोशिश प्रशांत किशोर कर रहे हैं!

किशोर ने एनडीए नेताओं सम्राट चौधरी, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल आदि पर गंभीर इल्जामों की झड़ी लगा रखी है। इससे ना सिर्फ एनडीए को कठघरे में खड़ा दिखा है, बल्कि इस कारण सत्ताधारी गठबंधन की अंदरूनी दरारें भी सामने आई हैं। परिणाम यह हुआ है कि भाजपा- जनता दल (यू)- एलजेपी-हिंदुस्तानी आवाम पार्टी का गठबंधन अब पूरी तरह 'वोट खरीद' और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर निर्भर हो गया है।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण भाजपा की चुनावी रणनीति में मौजूद स्थायी तत्व है। पार्टी नेता कभी इसे पृष्ठभूमि में रखते हैं, तो कभी जरूरत के हिसाब से उसे उग्र रूप देते हैं। कई राज्यों में सिर्फ यही तत्व भाजपा को चुनाव जिताने में कारगर रहता आया है। मगर बिहार में अभी तक इसके निर्णायक होने का भरोसा शायद भाजपा नेतृत्व को नहीं है। इसीलिए नीतीश कुमार के मुखौटे की जरूरत उसे अभी भी है। नीतीश ढलान के दौर में हैं। बार-बार पाला बदलने से उनकी पुरानी छवि नष्ट हो चुकी है। सुशासन का नकाब उतर चुका है। उनकी सेहत को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हैं। फिर भी भाजपा उन्हें मुखौटा बनाए रखने पर मजबूर है, तो उसकी वजह अपनी ताकत पर पार्टी नेताओं का अविश्वास ही है।

नीतीश कुमार ने जो गंवाया है, उसकी चुनावी भरपाई उन्होंने मुक्त हाथ से सरकारी पैसा बांट कर करने की कोशिश की है। लगभग डेढ़ करोड़ परिवारों में महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये का ट्रांसफर, लाखों युवाओं को दो साल तक हर महीने एक हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता, वृद्धावस्था एवं विकलांग पेंशन में भारी बढ़ोतरी, होमगार्ड्स के भत्तों में इजाफा, राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की नई किस्त आदि जैसी कई घोषणाएं हैं, जिन्हें सीधे तौर पर 'वोट खरीद' योजना की श्रेणी में रखा जा सकता है। भारत में अब इस योजना का आम चलन हैं। मगर नीतीश सरकार इसे एक नई ऊंचाई और नई विद्रुपता तक ले गई है।

चुनावों के संदर्भ में ऐसी योजनाएं कारगर रहती आई हैं। वैसे तो इनका चलन पहले भी था, लेकिन केंद्रीय सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार इसे जो नीतिगत रूप दिया, वह अभूतपूर्व है। मोदी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इसे 'कल्याण संबंधी नई सोच' कहा है। मतलब यह कि समाज एवं अर्थव्यवस्था के निर्माण की दीर्घकालीन योजनाओं में निवेश के बजाय पैसा सीधे लोगों के हाथ में दिया जाए। इससे लोगों को महसूस होता है कि सरकार/ सत्ताधारी नेता ने उनके लिए कुछ किया है। दीर्घकालीन योजनाओं का लाभ सीधे किसी को महसूस नहीं होता- इसलिए चुनावी लिहाज से वे ज्यादा फायदेमंद नहीं होतीं!

भाजपा का आकलन है कि 2024 में लोकसभा चुनाव में हार के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा का चुनाव उसने ऐसी ही योजनाओं- खासकर लाड़ली बहन योजना- के जरिए पलट दिया। अब वही पैटर्न बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने अपनाया है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक इस दांव का अच्छा असर हुआ है। क्या यह निर्णायक होगा, यह जानने के लिए हमें 14 नवंबर का इंतजार करना होगा, जिस रोज वोटों की गिनती होगी।

चुनाव नतीजों को तय करने में संभवतः एक फैक्टर प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का भी होगा। किशोर ने अपना यह उद्यम लॉन्च करने के बाद से कुछ ऐसी ध्वनियां पैदा की हैं, जिनकी झंकार दूर तक गई है। हालांकि किशोर अपनी पार्टी की अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से तुलना पसंद नहीं करते, मगर उनकी ध्वनियां और कार्यसूची काफी कुछ केजरीवाल से मेल खाती हैं। मीडिया इंटरव्यूज में किशोर ने कहा है कि आंदोलन और क्रांति में उनका भरोसा नहीं है, इसलिए अन्ना आंदोलन की कोख से निकली आम आदमी पार्टी से जन सुराज की तुलना नहीं की जानी चाहिए। मगर दो बातें इन प्रयोगों को एक जगह खड़ी करती हैः

आम आदमी पार्टी के आरंभिक दिनों में योगेंद्र यादव जैसे इसके सिद्धांतकार यह खुलेआम कहते थे कि इस नई पार्टी की कोई विचारधारा नहीं है- यह समाधान उन्मुख पार्टी है। पार्टी विचारधारा में बिना बंधे लोगों की समस्याओं का समाधान निकालना चाहती है। दिल्ली में दस वर्ष के शासनकाल में आम आदमी पार्टी ने बिजली, पानी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में लोक-लुभावन पहल को अपनी खास पहचान बनाने की कोशिश की।?

जन सुराज ने अपना मुख्य एजेंडा बिहार में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करना और पलायन रोकना बताया है। पार्टी का दावा है कि यही बिहार की मुख्य समस्याएं हैं, जिसका समाधान वह पेश करेगी। जन सुराज भी किसी खास विचारधारा की बात नहीं करती। इस रूप में संभवतः वह भी खुद को समाधान उन्मुख पार्टी ही मानती है।?

जन सुराज के बैनरों पर महात्मा गांधी और भीम राव अंबेडकर की तस्वीरें नजर आती हैं। पंजाब में कामयाब होने से पहले तक आम आदमी पार्टी ने भी इन्हीं दो तस्वीरों का सहारा लिया था। पंजाब में उसने गांधीजी की जगह भगत सिंह की तस्वीर को दे दी।?

एक अन्य समानता केजरीवाल और प्रशांत किशोर की अपनी पृष्ठभूमियां हैं। दोनों सुविधा-संपन्न और पेशेवर समूह से आए हैं और दोनों के डिस्कोर्स मध्य वर्गीय रंग लिए रहे हैं?

अन्ना आंदोलन के जरिए केजरीवाल ने दिल्ली में अपनी सियासी जमीन तैयार की थी। प्रशांत किशोर ने बिहार में दो साल की पदयात्राओं के जरिए अपनी जमीन बनाने की कोशिश की है। केजरीवाल ने पुराने राजनीतिक दलों को एक जैसा (सब आपस में मिले हुए हैं) बता कर खुद पर दांव लगाने के लिए मतदाताओं को उत्प्रेरित किया था। इसमें वे सफल रहे। प्रशांत किशोर का भी सारा दांव इस आकलन पर है कि बिहार में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा लालू और नीतीश में से एक को चुनने की मजबूरी से तंग आ चुका है। अतः नया विकल्प सामने होगा, तो वे मतदाता उस पर दांव लगाएंगे। क्या ऐसा होगा? इस विधानसभा चुनाव के संपन्न होने तक यह सवाल महत्त्वपूर्ण बना रहेगा।?

फिलहाल यह अनुमान लगाया जा सकता है कि जन सुराज पार्टी की उपस्थिति दर्ज होगी। किस हद तक- यह कहना अभी कठिन है। जन सुराज का दांव एनडीए और महागठबंधन- दोनों से वोट छीनने पर टिका है। इस सिलसिले में उसकी ध्वनियों का प्रभाव देखा गया है। मगर मतदान का निर्णय अंततः कई अन्य पहलुओं से तय होता है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से प्रभावित मतदाताओं का भाजपा के साये में खुद को 'सुरक्षित' महसूस करना इस वक्त ऐसा एक पहलू है। 'संविधान और सामाजिक सद्भाव बचाने' के लिए भाजपा को किसी कीमत पर हराना एक दूसरा पहलू है। बिहार में गुजरे तीन दशकों से लालू समर्थन और विरोध भी ऐसे पहलू रहे हैं। ऐसे सामाजिक वर्गों के मतदाता बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो लालू राज के दौरान हुए अपने 'सशक्तीकरण' को याद रखे हुए हैं।

क्या प्रशांत किशोर की ध्वनियां इन तमाम पहलुओं को मात दे पाएंगी? या उन ध्वनियों का असर सीमित रहेगा, नतीजतन जन सुराज वोट कटवा अधिक भूमिका नहीं निभा पाएगी? वह सबसे ज्यादा किसके वोट काटेगी? क्या बिहार में बदलाव चाहने वाले मतदाताओं के एक हिस्से को आकर्षित कर यह सत्ताधारी गठबंधन की मददगार बनेगी? अथवा, नीतीश कुमार से ऊबे ऐसे मतदाताओं को यह अपनी ओर खीचेंगी, जो लालू यादव से नाराजगी के कारण महा-गठबंधन को वोट नहीं देते और इस रूप में यह महा-गठबंधन की सहायता करेगी? ये सब ऐसे सवाल हैं, जिन पर बिहार चुनाव के पूरे दौर में चर्चा जारी रहने वाली है।

फिलहाल, जो नजर आता है, वो यह है कि सत्ताधारी गठबंधन की संभावनाएं सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और 'वोट खरीदो' योजना की सफलता पर टिकी हुई हैं। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के अंदर विभिन्न जातियों को प्रतिनिधित्व देकर भाजपा ने जो 'सोशल इंजीनियरिंग' देश के ज्यादातर हिस्सों में की है, बिहार उससे अलग नहीं है। एनडीए में नीतीश कुमार को मिली अहमियत खुद उसी 'सोशल इंजीनियरिंग' का हिस्सा है। फिलहाल, इस रणनीति के कमजोर पड़ने के संकेत नहीं हैं। इसीलिए 'सुशासन' जैसे दावों के बेनकाब होने, भ्रष्टाचार का मुद्दा हाथ से निकलने और विकास के मोर्चे पर तमाम नाकामियों के बावजूद इस चुनाव में एनडीए की pole position (दौड़ में अग्रिम स्थान) कायम नजर आती है।

दूसरी तरफ महा-गठबंधन अपने सीमित सामाजिक समीकरण के साथ एंटी-इन्कबैंसी के भरोसे ही है। महा-गठबंधन के प्रमुख दल- आरजेडी का अपना सामाजिक आधार मजबूत बना रहा है। सिर्फ इस समीकरण की ताकत के आधार पर उसे लगभग एक चौथाई वोट मिल जाते रहे हैं। इसके साथ एंटी-इन्कबैंसी का पहलू जुड़े, तो आरजेडी अपने साथी दलों- कांग्रेस, लेफ्ट, विकासशील इनसान पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा आदि के साथ सत्ता के करीब पहुंच सकता है। मगर एक तरफ रुपयों की बारिश कर नीतीश कुमार सरकार ने और दूसरी तरफ इंटी-इन्कबैंसी वाले वोट का एक और दावेदार बन कर जन सुराज ने महा-गठबंधन की संभावनाओं के बारे में अस्पष्टता पैदा कर दी है।

यह निजी विचार है।

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति

श्रुति व्यास

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती है–प्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्ध–शांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है। पश्चिम एशिया में जो शांति आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी-संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज़्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई है–अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल-मिलाप नहीं, प्रबंध-जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई।

इस पल को समझने का एक ही तरीका है–यथार्थवाद (Realism) के सिद्धांत से, वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैं–युद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है।

शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती है; जहाँ कोई पक्ष इतना ताक़तवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल-मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहीं–नकारात्मक शांति, यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की शांति भी यही थी–अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहीं; दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण था–जो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो reels और gram के लिए बनाई गई। पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी नई सुबह लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया था–अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज़ पर मिस्र और इज़राइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौते–व्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्ज़ाक राबिन और यासिर अराफ़ात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफ़ादा में बदल गया, और दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है।

हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता है–उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की नई शांति भी इतिहास बनेगी नहीं–बस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है।

और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर है–सिर्फ़ एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान है–नोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इज़राइल का युद्ध बहुत लंबा चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर था–संधि मानो, नहीं तो सामना करो catastrophic catastrophe का। यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इज़राइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब ग़ाज़ा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे। टाइमिंग इतनी सटीक थी कि स्वाभाविक नहीं लगती। कनेस्सेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनका स्वागत किया, और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ तथा दामाद जैरेड कुशनर के लिए तालियाँ गूँज उठीं। दर्शक भी तयशुदा भूमिका में थे, लाल टोपी पहने, जिन पर लिखा था- Trump the Peace President. स्पीकर ने घोषणा की, अगले साल के नोबेल के सबसे योग्य उम्मीदवार। और संसद बहस में नहीं, भक्ति में बदल गई। सांसदों ने एक स्वर में नाम पुकारा–ट्रंप, ट्रंप, ट्रंप। अपने भाषण में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह नया मध्य पूर्व है–एक ऐतिहासिक सवेरा। वही वाक्य, वही लहजा, जो उन्होंने पहली बार अब्राहम समझौतों के दौरान कहा था। यह किसी युद्ध का अंत नहीं, बल्कि उसके कथाकार का राज्याभिषेक था–इतिहास को लाइव रियलिटी शो में बदलता हुआ क्षण। इज़राइल में तालियों की बौछार के बाद ट्रंप मिस्र पहुँचे–शर्म अल-शेख में आयोजित पीस इन द मिडिल ईस्ट शिखर सम्मेलन में केंद्र मंच पर।

यह निजी विचार है।

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर बनाई अपनी पहचान

राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ को किया सम्मानितः

आदि कर्मयोगी अभियान और पीएम जनमन योजना में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित

जनजातीय सशक्तिकरण के क्षेत्र में पांच जिलों को मिली राष्ट्रीय पहचान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं मंत्री श्री नेताम ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

राष्ट्रपति के हाथों राज्य सरकार की ओर से प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने किया सम्मान ग्रहण

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है। आदि कर्मयोगी अभियान और प्रधानमंत्री जनमन योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राज्य को आज भारत के राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य' के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। राज्य सरकार और जनजातीय विकास विभाग की ओर से यह सम्मान प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने राष्ट्रपति के करकमलों से प्राप्त किया।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने इस मौके पर पीएम जनमन योजना और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में जनजातियों और विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से प्रस्तुती दी। वहीं मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिलों में जनजातियों के विकास में किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुआल ओराम तथा राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके, जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव विभु नायर भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर समस्त विभागीय अधिकारियों और फील्ड टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान राज्य के उन कर्मयोगियों के परिश्रम और समर्पण की पहचान है, जिन्होंने जनजातीय सशक्तिकरण को धरातल पर साकार किया है।

कार्यक्रम में धमतरी और कोरिया जिलों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जनजाति विभाग के स्टेट ट्रेनर श्री ललित शुक्ला को भी व्यक्तिगत श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ। आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत मोहला-मानपुर, बालोद, दंतेवाड़ा और धमतरी जिलों को 'स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड' मिला, जो इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय सेवा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को राज्य के प्रत्येक जिले में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस मौके धमतरी कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा, कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, बालोद कलेक्टर श्रीमती दिव्या मिश्रा एवं दंतेवाड़ा कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत उपस्थित थे। उपलब्धि पर पूरे विभाग को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जनजातीय विकास विभाग ने जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफलतापूर्वक लागू किया है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार हमारे अधिकारियों, फील्ड कर्मचारियों और उन जनप्रतिनिधियों की मेहनत का परिणाम है, जो राज्य के दूरस्थ अंचलों तक योजनाओं की रोशनी पहुँचाने में दिन-रात जुटे हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ ने हाल के वर्षों में जनजातीय शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और प्रशिक्षण के क्षेत्र में कई अभिनव कदम उठाए हैं। आदि कर्मयोगी अभियान ने प्रशासनिक दक्षता को नई दिशा दी है, वहीं पीएम जनमन योजना ने आदिवासी समाज के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार लाया है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के जनजातीय कल्याण विभागों के अधिकारी, परियोजना निदेशक, विकास सहयोगी संस्थाएँ और जनजातीय प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

मिशन मोड में प्रगति : डाक विभाग में विशेष अभियान 5.0 के मध्य चरण तक की उपलब्धियां

पीआईबी

संचार मंत्रालय के अंतर्गत डाक विभाग ने देश भर के डाक प्रतिष्ठानों में क्रियान्वित किए जा रहे विशेष अभियान 5.0 के मध्य चरण तक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को संस्थागत बनाना, लंबित मामलों को कम करना तथा कुशल रिकॉर्ड प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इस अभियान में डाक सर्किलों, क्षेत्रीय कार्यालयों, डाक प्रभागों, छंटाई कार्यालयों तथा प्रधान डाकघरों से लेकर शाखा डाकघरों तक सभी स्तरों के डाकघरों से उत्साहपूर्ण भागीदारी प्राप्त हुई है।

अभियान के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति इस प्रकार है: ऊ स्वच्छता अभियानः कुल 1,25,000 में से लगभग 47,358 डाक स्थलों को स्वच्छता गतिविधियों के अंतर्गत कवर किया गया है। इससे स्वच्छ, बेहतर रूप से संगठित और अधिक नागरिक-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित हुआ है।

डाक चौपालः डाक चौपाल नागरिक-केंद्रित पहल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं नागरिकों के द्वार तक पहुंचें, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें और सामुदायिक सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ प्रभावी सेवा वितरण को बढ़ावा दें। अब तक देश भर में लगभग 4,952 डाक चौपालों का आयोजन किया जा चुका है।

लंबित फ इलों की छंटाई/निपटानः लगभग 32,249 भौतिक फाइलों की समीक्षा की गई है और 7,611 फाइलों को छांट दिया गया है या बंद कर दिया गया है। इससे कार्यालय की दक्षता में सुधार हुआ है।

लोक शिकायत निवारणः 57,961 से अधिक लंबित लोक शिकायतों और अपीलों का समाधान किया गया है। इससे उत्तरदायी शासन के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है।

ऊ स्थान प्रबंधनः रिकॉर्ड प्रबंधन/डिजिटलीकरण और अप्रचलित सामग्रियों को हटाने के माध्यम से लगभग 13,049 वर्ग फुट स्थान खाली किया गया है। ऊ स्क्रैप निपटान से राजस्वः अनुपयोगी वस्तुओं और स्क्रैप सामग्री की बिक्री से ??32,48,216 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

सौंदर्यीकरण अभियान के तहत, देश भर के डाकघरों ने अपने परिसरों को स्वच्छता, डाक विरासत और जन जागरूकता के विषयों को दर्शाती जीवंत दीवार कलाकृतियों से सजाया है । इन रचनात्मक प्रदर्शनों ने न केवल कार्यालय परिसरों के सौंदर्य को बढ़ाया है, बल्कि नागरिकों और कर्मचारियों के बीच स्वच्छता का संदेश फैलाने के प्रभावी माध्यम के रूप में भी काम किया है।

कृषि यंत्रों पर जीएसटी दरों में सुधार से किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला : श्री चौहान

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के ग्राम डुमरीखुर्द में आयोजित 'ग्राम चौपाल' में ग्रामीण भाई-बहनों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण निवासी, किसान भाई-बहन, स्वयं सहायता समूह की दीदियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भागादारी की।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन बढ़ाने, बेहतर बीज उपलब्ध कराने और लागत घटाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल के नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया। उन्होंने किसानों से बातचीत करते हुए प्रमुख फसलों, उत्पादन लागत और स्थानीय खाद्य की दुकानों की आवश्यकता जैसे मुद्दे की भी जानकारी ली। श्री चौहान ने केंद्र सरकार के दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत मसूर और चना के उत्पादन बढ़ाने की पहल से अवगत कराया और किसानों के सुझाव भी मांगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है जिससे किसानों को लाभ होगा। विशेष रूप से गेहूं, चना, मसूर और सरसों की एमएसपी में वृद्धि की जानकारी भी दी। श्री शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी दरों में सुधार के बाद कृषि यंत्रों पर जीएसटी 12% और 18% से घटाकर 5% कर दी गई है, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने किसान भाई-बहनों को खेती के अलावा पशुपालन, मत्स्यपालन, मधुमक्खी पालन और बागवानी के लिए भी प्रेरित किया। पशुओं के टीकाकरण के लिए चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। इस 'ग्राम चौपाल' में बड़ी संख्या में किसान, स्वयं-सहायता समूह की दीदियां और पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री चौहान से अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण विकास और कृषि समृद्धि के लिए सभी से सहयोग एवं भागीदारी की अपील की।

(15कैप्शन16)केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए मंगोलियाई राष्ट्रपति श्री खुरेलसुख उखना के साथ बैठक की।

(16कैप्शन11)आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में आगमन पर भव्य रोड शो के दौरान उत्साही भीड़ द्वारा प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्वास्थ्य सेवा और शासन दक्षता और निर्णय लेने में क्रांति लाएगा

पीआईबी

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज बताया कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी एंटीबायोटिक ÷नैफिथ्रोमाइसिन÷ विकसित किया है, जो प्रतिरोधी श्वसन संक्रमणों के खिलाफ प्रभावी है, खासकर कैंसर रोगियों और खराब नियंत्रित मधुमेह रोगियों के लिए। उन्होंने कहा कि यह एंटीबायोटिक भारत में पूरी तरह से परिकल्पित, विकसित और चिकित्सकीय रूप से प्रमाणित पहला अणु है, जो दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एंटीबायोटिक नेफिथ्रोमाइसिन को भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने प्रसिद्ध निजी फार्मा कंपनी वॉकहार्ट के सहयोग से विकसित किया है।

भारत के बायोफार्मास्युटिकल विकास को गति देने वाली सफल उद्योग-अकादमिक साझेदारी के उदाहरण के रूप में इसका हवाला देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने एक आत्मनिर्भर नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि भारत सरकारी वित्त पोषण पर अपनी निर्भरता कम कर सके और अनुसंधान और नवाचार में वैश्विक मान्यता प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी और परोपकारी समर्थन की संस्कृति का निर्माण कर सके। मल्टी-ओमिक्स डेटा इंटीग्रेशन एंड एनालिसिस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग÷ विषय पर तीन दिवसीय चिकित्सा कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत को अपने वैज्ञानिक और अनुसंधान विकास को गति देने के लिए एक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान और नवाचार में वैश्विक मान्यता प्राप्त करने वाले अधिकांश देशों ने निजी क्षेत्र की व्यापक भागीदारी के साथ आत्मनिर्भर, नवाचार-संचालित मॉडलों के माध्यम से ऐसा किया है।

सरकारी-गैर-सरकारी सहयोग की एक और सफल कहानी का हवाला देते हुए, मंत्री ने यह भी घोषणा की कि भारत ने जीन थेरेपी में एक बड़ी सफलता हासिल की है, जो हीमोफीलिया उपचार के लिए पहला सफल स्वदेशी नैदानिक परीक्षण है, जिसके लिए परीक्षण भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित था और एक गैर-सरकारी क्षेत्र के अस्पताल, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर में किया गया था।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आगे बताया कि भारत ने पहले ही 10,000 से ज़्यादा मानव जीनोम अनुक्रमित कर लिए हैं और इसे बढ़ाकर दस लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने आगे बताया कि जीन थेरेपी परीक्षण में शून्य रक्तस्राव प्रकरणों के साथ 60-70 प्रतिशत सुधार दर दर्ज की गई, जो भारत के चिकित्सा अनुसंधान परिदृश्य में एक मील का पत्थर है। ये निष्कर्ष न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुए हैं, जो उन्नत जैव चिकित्सा नवाचार में भारत के बढ़ते नेतृत्व को रेखांकित करते हैं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाए राजपूत क्षत्रिय सेवा समिति का संकल्प – देवेश कुमार सिंह

लोकशक्ति।

राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति की स्थापना , वर्तमान समय में पूरे छत्तीसगढ़ राज्य सहित ,देश विदेश में जाकर निवास करने वाले हमारे लगभग 85 ग्रामों के हमारे संस्कृति से जुड़े राजपूत क्षत्रिय परिवार जनों से सतत् संपर्क एवं आपसी मेल मिलाप के लिए किया गया है,समिति को छत्तीसगढ़ राज्य फर्म एवं सोसायटी द्वारा पूरे राज्य के लिए पंजीयन क्रमांक 122202367683 के माध्यम से पंजीकृत किया गया है ,जिसमें आप सभी आधार स्तंभ राजपूत क्षत्रिय परिवार जनों के आशीर्वाद से ,अभी तक प्रारंभिक अवस्था में संरक्षक सदस्य ,आजीवन सदस्य एवं प्राथमिक सदस्य के रूप में 488 सम्माननीय स्वजनों ने सदस्यता ग्रहण किया है एवं इसमें आप सभी हमारे स्थानीय राजपूत क्षत्रियों को विशेष मार्गदर्शक के रूप में स्थान दिया गया है एवं आगे की कार्यवाही आप सभी के माध्यम से सदस्यता विस्तार किया जाना है जिसमें

आपकी सहभागिता सादर निवेदित है । इस विषय में निवेदन है

जो स्वजन अभी तक हम सब की स्थानीय समिति में सदस्यता नहीं ले पाए हैं वे भी जांजगीर राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति के अभिन्न सम्माननीय प्रतिनिधि हैं क्योंकि आप सभी ने हमेशा स्थानीय स्वजनों को समाजहित में हमेशा योगदान दिया है, इस हेतु आपके प्रयासों का हम सम्मान करते हैं।

आत्मीय स्वजन ,समय काल एवं वर्तमान समय में स्थानीय राजपूत क्षत्रिय परिवार जनों को एक साथ जिसमें समाज के बुजुर्ग ,वरिष्ठ ,मातृशक्ति एवं युवा पीढ़ियों के सहयोग से एक संगठनात्मक ढांचा तैयार किया गया है जिसमें आपकी जवाबदार पूर्वक सहभागिता सुनिश्चित है।समिति की स्थापना का एक मकसद यह भी रहा ,हम अपनी स्थानीय पहचान और मूल अस्तित्व को चाहे हम शहर ,गांव या किसी भी देश विदेश में रहे हमेशा कायम रखें एवं आगे बढ़े। इसी कारण यह आवश्यक महसूस हुआ कि एक स्थानीय समिति का पंजीयन किया जाए, जो छत्तीसगढ़ के मूल क्षत्रिय समाज की पहचान, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा कर सके।

यह समिति किसी के विरोध में नहीं, बल्कि अपनी पहचान के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों को स्पष्ट सामाजिक आधार देने के लिए बनी है। हम सब एक ही वंश, एक ही समाज के अंग हैं – अंतर केवल दृष्टिकोण और प्राथमिकता का है, विरोध का नहीं।छत्तीसगढ़ वैसे भी राजपूतों की जन्मस्थली नहीं मानी जाती, क्योंकि इस भूमि के मूल निवासी हमारे आदिवासीभाई-बहन हैं। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि यहाँ रहने वाले हर समाज ने इस मिट्टी को अपनाया और इसके गौरव में योगदान दिया।

आज जांजगीर-चांपा जिले में स्थानीय समिति का गठन इसी भावना का प्रतीक है – यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक पहचान को मजबूत करने का संकल्प है। यह समिति उस परंपरा की रक्षा करेगी जो हमें हमारे संस्कारों, सम्मान और स्वाभिमान से जोड़ती है।

हमारे पूर्वज समाज के विभिन्न सामयिक विषयों पर चर्चा कर निर्णय लेते थे, और उनके निर्णय समाज में सम्मानित होते थे। वर्तमान में हम समयाभाव या अन्य कारणों से समाज की वर्तमान परिस्थितियों का सही आकलन नहीं कर पाते, जिससे समाजहित में उचित निर्णय लेना कठिन हो जाता है।

माननीय स्वजनों, समिति आप सभी के सहयोग और आशीर्वाद से उन्हीं विषयों पर कार्य करने का प्रयास कर रही है। आपकी सहभागिता हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

स्थानीय समिति के माध्यम से हमारे छत्तीसगढ़, जांजगीर-चांपा जिले के राजपूत लोग अपनी मान-सम्मान संस्कृति की रक्षा के लिए जांजगीर राजपूत क्षत्रिय सेवा समिति के सदस्य बनने हेतु आपसे सहभागिता और समर्थन की अनुरोध करते हैं।

आइए, हम सब मिलकर इस समिति को न केवल रूप दें, बल्कि उसे दिशा भी दें – ताकि आने वाली पीढ़ियाँ यह महसूस कर सकें कि अपने समाज और संस्कृति को संजोए रखने के लिए हम एकजुट होकर खड़े हैं ,।

स्वदेशी अपनाएं, सुरक्षित और संवेदनशील दिवाली मनाएं–रवि सिन्हा

संवाददाता

राजनांदगांव, रवि सिन्हा अध्यक्ष शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 39 ने कहा कि

दीपों का पर्व दीवाली न केवल प्रकाश का प्रतीक है, बल्कि यह हमारे भीतर के अंधकार को दूर करने और सकारात्मकता फैलाने का भी संदेश देता है। इस पावन पर्व पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं और स्थानीय व्यापारियों व छोटे दुकानदारों से खरीदारी करें, ताकि उनके घरों में भी खुशियों के दीप जल सकें। स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का यही सबसे सुंदर माध्यम है।

सुरक्षा और संवेदनशीलता का भी रखें ध्यान दिवाली का उत्सव उल्लास और सुरक्षा दोनों का संगम है। इसलिए सभी नागरिकों से निवेदन है कि पटाखे फोड़ते समय सावधानी बरतें। बच्चों को हमेशा बड़ों की निगरानी में ही पटाखे जलाने दें, ताकि किसी भी प्रकार की गंभीर दुर्घटना से बचा जा सके।

देवी-देवताओं के चित्र वाले पटाखों का बहिष्कार करें

हमारे आराध्य देवी-देवताओं की छवि का उपयोग पटाखों पर करना अनुचित और असम्मानजनक है। आइए, इस दिवाली ऐसे पटाखों का पूरी तरह से बहिष्कार करें और धार्मिक आस्थाओं का सम्मान बनाए रखें।

आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ें

जब हम स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, तो न केवल अपने शहर और राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेंगे, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ÷वोकल फॉर लोकल÷ के संदेश को भी चरितार्थ करेंगे।

आइए, इस दिवाली को बनाएं

स्वदेशी, सुरक्षित और संवेदनशील दिवाली।

हर घर में दीप जले, हर मन में उमंग खिले। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ आप सभी वार्ड वासी एवं शहर वासियों को दीपावली की मंगल कामनाएं

108 एम्बुलेंस में महिला ने दिया स्वस्थ बच्चे को जन्म

संवाददाता

कोरबा जिले के लेमरू क्षेत्र में प्रसव पीड़ा से जूझ रही एक महिला ने जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाते समय 108 एम्बुलेंस में बच्चे को जन्म दिया। ईएमटी (आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन) और परिजनों की मदद से हुए इस प्रसव के बाद मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं। यह घटना लेमरू से लगभग 25 किलोमीटर दूर ग्राम गढकटरा मेन रोड की है।जानकारी के अनुसार लेमरू निवासी राजेंद्र कुमार की 30 वर्षीय पत्नी नईहारो बाई को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और नईहारो बाई को लेकर जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए रवाना हुई। रास्ते में ग्राम गढकटरा मेन रोड पर नईहारो बाई का दर्द अचानक बढ़ गया। एम्बुलेंस में मौजूद ईएमटी रामेश्वरी कंवर और ड्राइवर कोमल ने वाहन को किनारे रोका। उन्होंने परिजनों के सहयोग से एम्बुलेंस के भीतर ही सुरक्षित प्रसव कराया।नईहारो बाई ने एक स्वस्थ लडके को जन्म दिया। सफल प्रसव के बाद मां और नवजात को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। परिजनों ने बताया कि यह उनका तीसरा बच्चा है। इससे पहले उनके एक लडका और एक लडकी हैं। परिजनों ने इस आपातकालीन स्थिति में मदद करने के लिए ईएमटी रामेश्वरी कंवर और चालक कोमल का आभार व्यक्त किया। ईएमटी रामेश्वरी कंवर ने बताया कि प्रसूता की हालत ऐसी थी कि उसे जिला मेडिकल कॉलेज तक ले जाना मुश्किल हो रहा था।

राज्यपाल को नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने लिखा पत्र

जंगल सफारी के उच्चाधिकारियों की घोर लापरवाही से बाघिन की मौत मामले में कठोर कार्यवाही हो – डॉ महंत

रायपुर, ।

छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, मुझे विभिन्न श्रोतों से प्राप्त जानकारियों के अनुसार एशिया के सबसे बड़े मानव निर्मित जंगल सफारी में बेजुबान वन्यजीवों की आवाज सुनने वाला कोई नहीं है। समय पर सही ईलाज नहीं मिलने के कारण जंगल सफारी की एक युवा बाघिन ÷बिजली÷ की हाल ही में अकाल मृत्यु हो गई। यह प्रदेश के लिए अपूर्णनीय क्षति है। बिजली नामक इस बाघिन ने फरवरी 2025 में दो शावकों को जन्म दिया था

जिसमें से एक शावक मृत पैदा हुआ तथा दूसरा शावक बहुत कमजोर तथा अस्वस्थ पैदा हुआ और कुछ दिनों बाद उसकी भी मृत्यु हो गई। बाघिन जब गर्भवती थी तभी से वह अस्वस्थ रहने लगी थी। परंतु मुख्य वाईल्ड लाईफ वार्डन तथा जंगल सफारी के संचालक की घोर उपेक्षा तथा अयोग्य पशु चिकित्सकों के कारण उसका सही इलाज नहीं हुआ। शावकों के जन्म के पश्चात् बाघिन का स्वास्थ्य अधिक खराब हुआ, तब भी अधिकारियों ने इसे गंभीरतापूर्वक नहीं लिया। जब बाघिन ने खाना-पीना छोड़ दिया तब उसे ट्रेन से गुजरात के जामनगर में स्थित वनतारा रिसर्च इंस्टिट्यूट में ईलाज के लिए भेजा गया जहां उसने दम तोड़ दिया। वनतारा रिसर्च इंस्टिट्यूट के चिकित्सकों ने बताया कि जंगल सफारी के डॉक्टर बाघिन की बीमारी को जान ही नहीं पाए और गलत ईलाज करते रहे। यदि बाघिन को पहले ही वनतारा भेज दिया गया होता तो वह आज जिंदा होती। जंगल सफारी के डॉक्टर का यह कहना है कि वहां सोनोग्राफी मशीन तो है किंतु उसे आपरेट करने वाला तकनीशियन नहीं है। जिसके कारण समय पर जांच नहीं की जा सकी और बाघिन की बीमारी का पता नहीं चला।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा जंगल सफारी में कुप्रबंधन के कारण अकाल मृत्यु की यह कोई पहली घटना नहीं है। जबसे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से अनेक लुप्तप्राय वनप्राणियों की भी अकाल मृत्यु समय पर सही इलाज के अभाव में हो चुकी है, परंतु जंगल सफारी के कुप्रबंधन को दूर करने में वन विभाग निरंतर असफल साबित हुआ है। ऐसी घटनाओं के लिए उत्तरदायी उच्चाधिकारियों के विरूद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं होने के कारण ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्तियां हो रही है।

डॉ. महंत ने कहा कि, वन्यजीवों के स्वास्थ्य के देख-रेख करने और ईलाज करने के लिए चिकित्सकों के 20 पद स्वीकृत है परंतु इसमें से 18 पद लम्बी अवधि से रिक्त हैं। विधानसभा में वन्यजीवों की अकाल मृत्यु के विषय कई बार विपक्ष के द्वारा उठाए जा चुके हैं। प्रमुख चिकित्सक की घोर लापरवाही प्रमाणित होने पर उसे जंगल सफारी से हटाने तक के निर्देश आसंदी से दिये गये थे। परंतु ऐसा प्रतीत होता है कि वन मंत्री जी ही नहीं चाहते हैं कि व्यवस्था में सुधार हो। बाघिन की अकाल मौत के लिए स्पष्ट रूप से चीफ वाईल्डलाईफ वार्डन, डायरेक्टर जंगल सफारी तथा चिकित्सक तीनों जिम्मेदार हैं, इन तीनों ही अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए या कार्य से पृथक किया जाए तथा इनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। जंगल सफारी मे व्याप्त कुप्रबंधन को दूर करने तथा पशु चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने के लिए वन विभाग को निर्देशित किया जाए।

बाल संप्रेक्षण गृह के कर्मचारियों को संस्था के अंदर व बाहरी परिसर पर ध्यान रखने किया गया निर्देशित

ड्यूटी के दौरान संस्था का कोई भी कर्मचारी नहीं थे नशे में :-अधीक्षक बाल सम्प्रेक्षण गृह कोरबा

कोरबा । अधीक्षक शासकीय बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) ने बाल सम्प्रेक्षण गृह (बालक) में शराब की बोतलें और आपत्तिजनक समान मिलने के सम्बंध में बताया कि जिला बाल संरक्षण ईकाई के अधिकारीयों व कर्मचारियों को रात्रिकालिन ड्यूटी संप्रेक्षण गृह में बालको के देखरेख व निगरानी व्यवस्थापन हेतु लगाई गई थी। रोस्टर ड्यूटी के अनुसार राजीव राज, अशोक राजवाड़े और गणेश जायसवाल उपस्थित हुए। बाल सम्प्रेक्षण गृह में रात्रिकालिन ड्यूटी वाले कर्मचारी पूरनचंद विश्वाल (हाउस फादर) व सुरेश पैकरा (नगर सैनिक) उपस्थित थे।

झालाटोला में 21 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ी नाचा कार्यक्रम

राजनांदगांव। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम झालाटोला (छुरिया) में 21 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ी नाचा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजक समिति के रामचंद्र साहू ने बताया कि कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक संगीत नाच पार्टी ग्राम मुड़माडी, पोस्ट काकोडी, तहसील देवरी, जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) की प्रस्तुति होगी। समस्त ग्रामीण जनों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेने का आग्रह किया है।

जवाहर नवोदय विद्यालय मॉक परीक्षा शिक्षा जागरूकता की नई पहल

संवाददाता

अम्बागढ़ चौकी -जनजाति विकास एवं उत्थान संगठन, जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय मॉक परीक्षा का सफल आयोजनसंस्कार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अम्बागढ़ चौकी किया गया। इस परीक्षा का उद्देश्य ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों के विद्यार्थियों को नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के स्तर से परिचित कराना और उन्हें प्रतियोगी वातावरण में अपनी क्षमता का मूल्यांकन करने का अवसर प्रदान करना था।

इस मॉक परीक्षा में कुल 525 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों के चेहरों पर सीखने की ललक और सफलता पाने की चाह साफझलक रही थी। आयोजन स्थल पर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा।

कार्यक्रम में श्री तिलक सोरी, वित्त नियंत्रण, छत्तीसगढ़ शासन ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के लिए मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास को अनिवार्य तत्व बताया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री एस. के. धीवर, श्री मनहरण पिथौरा, श्री कुम्भकार, श्री अभय वाजपेयी तथा श्री नीलकंठ कोमरे उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और इस सामूहिक पहल को ग्रामीण शिक्षा विकास की दिशा में प्रेरणादायक कदम बताया।

आयोजन की सफलता में विजय ठाकुर, सुन्दर मंडावी, भजन साहू, देव यादव, प्रेमदास साहू, मनोज चंद्रवंशी, दिलीप खरे, सुदेश ठाकुर, नितेश ठाकुर, रतन ठाकुर, लेखराम ठाकुर, लेकेश्वर ठाकुर और हेमंत गंगासागर सहित शिक्षकों एवं समाजसेवियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी ने समर्पण और सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

प्रथम स्थान - खियाती खरे द्वितीय स्थान - हंसीका, भूविक कोमरे तृतीय स्थान - धाविका नेताम, भाव्या चतुर्थ स्थान - सिमरन कंवर, काव्या ठाकुर पंचम स्थान - तेजस, शिवानी

मॉक परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल परीक्षा की वास्तविक प्रक्रिया का अनुभव मिला, बल्कि यह भी समझ में आया कि नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी हैं। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार की निःशुल्क तैयारी कक्षाएँ एवं मॉक टेस्ट आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि ग्रामीण अंचलों के अधिकाधिक विद्यार्थी जवाहर नवोदय विद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर सकें।

छत से झरती रोशनी केवल घरों को नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को कर रही प्रकाशित

सूर्यघर योजना से पर्यावरण संरक्षण की गारंटी और आत्मनिर्भर भारत का सपना हो रहा साकार

कोरबा संवाददाता। जब भारत आत्मनिर्भरता के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है, तब ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति का नाम बन चुकी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने देश के हर घर को नई दिशा और नई पहचान दी है। पहले जहाँ सूरज केवल प्रकाश का स्रोत माना जाता था, आज वही सूरज लोगों की जीवनशैली, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण चेतना का हिस्सा बन गया है। योजना ने साबित कर दिया है कि ऊर्जा की असली शक्ति केवल बड़ी परियोजनाओं में नहीं, बल्कि हर नागरिक की छत पर बसने वाले सूर्यघर में छिपी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य देश के हर घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी, पारदर्शी आवेदन प्रक्रिया और सरल तकनीकी व्यवस्था ने इसे आम नागरिकों के लिए सहज बना दिया है। यह योजना केवल बिजली बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सशक्त अभियान है। इससे हर साल हजारों टन कार्बन उत्सर्जन में कमी हो रही है, जो जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने में योगदान दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में देश के करोड़ों परिवार इस योजना से जुड़कर न केवल आत्मनिर्भर बनें, बल्कि हरित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

राज्य ने इस योजना को जनआंदोलन का रूप दे दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य के सभी जिलों में इस

योजना के माध्यम से मिली है। परिणामस्वरूप आज कोरबा जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लोग इस योजना से जुड़ रहे हैं और अपने घरों को ÷सौर ऊर्जा के घर में बदल रहे हैं। जिले के दो नागरिक श्री शंकर पुरी और श्री टेकराम मरावी इस अभियान की सफलता के सजीव उदाहरण हैं। दोनों ने ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर न केवल अपने बिजली बिल को शून्य किया है, बल्कि अपने घरों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बना दिया है।

कोरबा जिले के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दादर खुर्द में रहने वाले श्री शंकर पुरी बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली का बिल आता था, बढ़ते खर्च के कारण परिवार के बजट पर असर पड़ता था। लेकिन जब उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने बिना देर किए इस योजना में शामिल होने का निर्णय लिया। योजना की सरल प्रक्रिया और पारदर्शिता ने उन्हें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने अपने घर की छत पर का सोलर पैनल लगाया, जिसके लिए उन्हें सरकार की ओर से सब्सिडी भी मिली। अब उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा से चल रहा है पंखे, लाइटें, फ्रिज और अन्य उपकरण सब सूरज की किरणों से संचालित हैं। वे कहते हैं अब सूरज ही हमारा बिजलीघर है। यह योजना हमारे जीवन में सच्चा बदलाव लेकर आई है।

वहीं श्री टेकराम मरावी, जो सीएसईबी में कार्यरत हैं, ने भी इसी योजना से अपनी छत को ऊर्जा केंद्र बना दिया। वे बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली बिल आता था। लेकिन अब उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा पर निर्भर है। उनका कहना है प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनाया है। अब हम बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक हैं। यह गर्व की बात है कि हमारे घर की छत से ऊर्जा पैदा हो रही है। दोनों लाभार्थियों का अनुभव एक जैसी भावना को दर्शाता है सरकारी योजनाएँ जब सुलभ, पारदर्शी और लाभकारी होती हैं, तब वे केवल सुविधा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास देती हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि हर भारतीय की भागीदारी से चलने वाला हरित आंदोलन बन चुकी है। कोरबा जैसे औद्योगिक जिले में, अब हर घर ऊर्जा उत्पादन में सक्षम हो रहा है। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का प्रतीक है। इस योजना के माध्यम से हर लाभार्थी ने यह महसूस किया है कि सूरज केवल रोशनी नहीं देता वह विश्वास, स्थिरता और सुरक्षा भी देता है। बिजली बिल में बचत के साथ-साथ इस योजना ने लोगों में पर्यावरण चेतना और सस्टेनेबल जीवनशैली की समझ बढ़ाई है। अब लोग समझने लगे हैं कि ऊर्जा की असली आज़ादी तभी है, जब हर घर अपनी छत से ऊर्जा उत्पन्न कर सके। आने वाले वर्षों में जब हर घर सूरज की किरणों से रोशन होगा, तब भारत न केवल बिजली में आत्मनिर्भर होगा, बल्कि स्वच्छ, हरित और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व मंच पर उदाहरण बनेगा।

खास खबर

जिले में 10 दिसम्बर 2025 को स्थानीय अवकाश घोषित

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले में 10 दिसम्बर 2025 शहीद वीर नारायण सिंह के बलिदान दिवस को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। गौरतलब है कि पूर्व में जिले में 21 अक्टूबर 2025 गोवर्धन पूजा दिन मंगलवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया था। छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 21 अक्टूबर 2025 गोवर्धन पूजा के अवसर पर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस हेतु कलेक्टर द्वारा अब जिले में 21 अक्टूबर गोवर्धन पूजा के स्थानीय अवकाश को निरस्त करते हुए शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस 10 दिसम्बर 2025 दिन बुधवार को जिला कोरबा हेतु स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

आदर्श आदिवासी कोसा कृमि पालन सहकारी समिति के सदस्यता सूची का 25 को होगा अंतिम प्रकाशन

कोरबा । आदर्श आदिवासी कोसा कृमि पालन उद्योग सहकारी समिति मर्यादित कुदरीखार पंजीयन क्रमांक 01 का सदस्यता सूची का प्रकाशन कार्यक्रम जारी किया गया है । जिसमें 17 अक्टूबर को सूचना पत्र जारी किया जाएगा। सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन 18 अक्टूबर को किया जाएगा । इसी प्रकार 19 से 25 अक्टूबर तक आपत्ति प्राप्त करने एवं निराकरण हेतु तिथि निर्धारित है एवं सदस्यता सूची का अंतिम प्रकाशन 25 अक्टूबर को किया जाएगा।

मेजर ध्यानचंद चैक से बालको व रिस्दी चौंक तक सड़क निर्माण हेतु निविदा प्रक्रियाधीन

कार्यादेश उपरांत निर्माण कार्य होगा प्रारंभ

कोरबा। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग संभाग कोरबा ने रिस्दी चैक मार्ग से बालको की सड़क की समस्या के सम्बंध में बताया कि मेजर ध्यानचंद चैक से बालको होते हुए रिस्दी चैक मार्ग की कुल लंबाई 9 किलोमीटर है, जो कि बजट वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में शामिल था। जिसके अंतर्गत ध्यानचंद चैक से बजरंग चैक की प्रशासकीय स्वीकृति कार्यालय जिला खनिज न्यास कोरबा द्वारा आदेश दिनांक 17 मई 2025 एवं तकनीकी स्वीकृति मेजर ध्यानचंद चैक से बजरंग चैक एवं रिस्दी रिस्दी चैक तक राशि 2598.47 लाख लंबाई 5.74 कि.मी. दिनांक 09 सितम्बर 2025 को प्राप्त हुआ । रिस्दी चैक मार्ग के चैनेज 8730 में हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिनांक 06 जून 2025 को उक्त मार्ग में कार्य संपादित कराए जाने की अनुमति प्राप्त हुयी है एवं वर्तमान में कार्य की निविदा प्रक्रियाधीन हैं, निविदा उपरांतकार्यादेश होते ही मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। उन्होंने रिस्दी चैक में जल जमाव व पानी निकासी की समस्या के बारे में जानकारी दी है कि निर्माण कार्य के प्राक्कलन में पानी निकासी हेतु एवं जलजमाव के निराकरण हेतु उचित प्रावधान लिया गया है।

छत से झरती रोशनी केवल घरों को नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को कर रही प्रकाशित

सूर्यघर योजना से पर्यावरण संरक्षण की गारंटी और आत्मनिर्भर भारत का सपना हो रहा साकार

कोरबा संवाददाता।

जब भारत आत्मनिर्भरता के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है, तब ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति का नाम बन चुकी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने देश के हर घर को नई दिशा और नई पहचान दी है। पहले जहाँ सूरज केवल प्रकाश का स्रोत माना जाता था, आज वही सूरज लोगों की जीवनशैली, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण चेतना का हिस्सा बन गया है। योजना ने साबित कर दिया है कि ऊर्जा की असली शक्ति केवल बड़ी परियोजनाओं में नहीं, बल्कि हर नागरिक की छत पर बसने वाले सूर्यघर में छिपी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य देश के हर घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी, पारदर्शी आवेदन प्रक्रिया और सरल तकनीकी व्यवस्था ने इसे आम नागरिकों के लिए सहज बना दिया है। यह योजना केवल बिजली बचत तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सशक्त

अभियान है। इससे हर साल हजारों टन कार्बन उत्सर्जन में कमी हो रही है, जो जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने में योगदान दे रही है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में देश के करोड़ों परिवार इस योजना से जुड़कर न केवल आत्मनिर्भर बनें, बल्कि हरित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। राज्य ने इस योजना को जनआंदोलन का रूप दे दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य के सभी जिलों में इस योजना के माध्यम से मिली है। परिणामस्वरूप आज कोरबा जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लोग इस योजना से जुड़ रहे हैं और अपने घरों को ÷सौर ऊर्जा के घर में बदल रहे हैं। जिले के दो नागरिक श्री शंकर पुरी और श्री टेकराम मरावी इस अभियान की सफलता के सजीव उदाहरण हैं। दोनों ने ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर न केवल अपने बिजली बिल को शून्य किया है, बल्कि अपने घरों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बना दिया है।

कोरबा जिले के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दादर खुर्द में रहने वाले श्री शंकर पुरी बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली का बिल आता था, बढ़ते खर्च के कारण परिवार के बजट पर असर पड़ता था। लेकिन जब उन्हें प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने बिना देर किए इस योजना में शामिल होने का निर्णय लिया। योजना की सरल प्रक्रिया और पारदर्शिता ने उन्हें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने अपने घर की छत पर का सोलर पैनल लगाया, जिसके लिए उन्हें सरकार की ओर से सब्सिडी भी मिली। अब उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा से चल रहा है पंखे, लाइटें, फ्रिज और अन्य उपकरण सब सूरज की किरणों से संचालित हैं। वे कहते हैं अब सूरज ही हमारा बिजलीघर है। यह योजना हमारे जीवन में सच्चा बदलाव लेकर आई है।

वहीं श्री टेकराम मरावी, जो सीएसईबी में कार्यरत हैं, ने भी इसी योजना से अपनी छत को ऊर्जा केंद्र बना दिया। वे बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली बिल आता था। लेकिन अब उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा पर निर्भर है। उनका कहना है प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने हमें आत्मनिर्भर बनाया है। अब हम बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक हैं। यह गर्व की बात है कि हमारे घर की छत से ऊर्जा पैदा हो रही है। दोनों लाभार्थियों का अनुभव एक जैसी भावना को दर्शाता है सरकारी योजनाएँ जब सुलभ, पारदर्शी और लाभकारी होती हैं, तब वे केवल सुविधा नहीं, बल्कि आत्मविश्वास देती हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि हर भारतीय की भागीदारी से चलने वाला हरित आंदोलन बन चुकी है। कोरबा जैसे औद्योगिक जिले में, अब हर घर ऊर्जा उत्पादन में सक्षम हो रहा है। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का प्रतीक है। इस योजना के माध्यम से हर लाभार्थी ने यह महसूस किया है कि सूरज केवल रोशनी नहीं देता वह विश्वास, स्थिरता और सुरक्षा भी देता है। बिजली बिल में बचत के साथ-साथ इस योजना ने लोगों में पर्यावरण चेतना और सस्टेनेबल जीवनशैली की समझ बढ़ाई है। अब लोग समझने लगे हैं कि ऊर्जा की असली आज़ादी तभी है, जब हर घर अपनी छत से ऊर्जा उत्पन्न कर सके। आने वाले वर्षों में जब हर घर सूरज की किरणों से रोशन होगा, तब भारत न केवल बिजली में आत्मनिर्भर होगा, बल्कि स्वच्छ, हरित और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व मंच पर उदाहरण बनेगा।

स्वस्थ्य तन, सुरक्षित मन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और आयुष विभाग के संयुक्त मुहिम ने दिया जन सेवा का संदेश

कोरबा संवाददाता

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा श्री संतोष शर्मा के निर्देशानुसार आयुष विभाग के तत्वधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बैनर तले एडीआर भवन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य व न्यायिक जागरूकता का अनुठा संगम बी.पी, शुगर, गठियाबात, बवासीर जैसे गंभीर बिमारियों का निःशुल्क परीक्षण व परामर्श आयोजित किया गया। विशेष स्वास्थ्य शिविर ने जिले में जनसेवा की मिशाल कायम की कार्यक्रम में नागरिकों, अधिवक्ताओं, न्यायिक कर्मचारियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच करायी और विधिक जागरूकता से जुडी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा ने कहा कि न्याय और स्वास्थ्य एक दूसरे के

पूरक है जब शरीर स्वस्थ्य होता तभी नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रह सकते है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल स्वास्थ्य परीक्षण नहीं बल्कि समाज को जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम है। उक्त शिविर में बी.पी., शुगर, गठियाबात, बवासीर जैसे गंभीर बिमारियों का परीक्षण किया गया तथा विशेष चिकित्सकों ने उपचार व जीवन शैली सुधार पर मार्गदर्शन दिया।

आयुष विभाग के चिकित्सक डॉ0 पवन मिश्रा एवं डॉ सुषमा चैहान की संयुक्त टीम ने प्राकृतिक चिकित्सा योग और औषधीय परामर्श के माध्यम से स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया।

नशे में धुत शिक्षक का वीडियो वायरल, बच्चों और महिला शिक्षिकाओं के सामने की अभद्रता

बिलासपुर, संवाददाता

मस्तूरी विकासखंड के ग्राम सोन स्थित एक प्राइमरी स्कूल से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां पदस्थ शिक्षक विश्वकर्मा प्रसाद कश्यप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कक्षा के अंदर नशे की हालत में अपनी शर्ट उतारकर कुर्सी पर बैठा नजर आ रहा है। घटना 14 अक्टूबर की बताई जा रही है। आरोप है कि शिक्षक अक्सर शराब पीकर स्कूल आता है और बच्चों के साथ गाली-गलौज व मारपीट करता है। घटना के दिन दोपहर करीब एक बजे वह स्कूल पहुंचा और पहले अन्य शिक्षकों से बदसलूकी की। इसके बाद महिला शिक्षकों और छात्रों के सामने अशोभनीय हरकतें कीं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि शिक्षक इस कदर नशे में था कि उसके बोलने की ताकत भी नहीं बची थी। उसकी जुबान लड़खड़ा रही थी और वह खुद को संभाल नहीं पा रहा था। उसकी इस हरकत से स्कूल का माहौल पूरी तरह बिगड़ गया। इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। विभागीय अधिकारियों ने वीडियो की सत्यता की जांच कर दोषी शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। फिलहाल स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों में शिक्षक के व्यवहार को लेकर भारी नाराजगी है और वे उसकी तत्काल बर्खास्तगी की मांग कर रहे हैं।

शिक्षा जैसे जिम्मेदार पेशे में इस तरह की लापरवाही न केवल विद्यार्थियों के भविष्य के लिए खतरनाक है, बल्कि पूरे व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष बनवारी लाल अग्रवाल को दी श्रद्धांजलि

कोरबा संवाददाता।

छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधि स्वर्गीय बनवारी लाल अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने गुरुवार को श्री अग्रवाल के निवास स्थान जाकर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल स्वर्गीय अग्रवाल की अंतिम यात्रा में भी सम्मिलित हुए और मोतीसागर पारा स्थित मुक्तिधाम में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वर्गीय बनवारी लाल अग्रवाल जी ने कोरबा जिले के गरीबों और आम जनता की आवाज को सदैव बुलंद किया। उन्होंने जिले के सर्वांगीण विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। साडा (विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण) कोरबा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने शहर के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए।

इस अवसर पर कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, कोरबा एसडीएम श्री सरोज महिलांगे, अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी एवं उनके शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय श्री अग्रवाल को पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

त्योहारी सीजन : बड़ी रकम का लेनदेन करने में पर्याप्त सावधानी बरतें लोग

कोरबा संवाददाता।

सराफा व पटाखा कारोबारियों की बैठक ली टीआई तिवारी ने

धनतेरस, दीपावली एवं छठ पूजा पर्व को ध्यान में रखते हुए कटघोरा थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी ने की। सराफा व्यापारियों एवं पटाखा दुकान संचालकों को आवश्यक निर्देश देने के साथ लोगों से कहा गया कि अगर वे बड़ी रकम का लेनदेन कर रहे हैं तो इस दौरान बिल्कुल चैकन्ने रहे।बैठक में थाना प्रभारी तिवारी ने त्योहारों के दौरान बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों में भीड़भाड़ और आर्थिक

लेन-देन बढने के कारण अपराधियों की सक्रियता की संभावना भी बढ़ जाती है, ऐसे में सभी व्यापारियों को सतर्कता और सावधानी बरतनी होगी। सभी दुकान संचालक अपनी दुकानों में सीसीटीव कैमरे अनिवार्य रूप से चालू रखें और उसकी डीवीआर सिस्टम की जांच समय-समय पर करते रहें। ग्राहकों की संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगाह रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या परिस्थिति की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

भारी रकम का लेन-देन सावधानीपूर्वक करें और यथासंभव डिजिटल भुगतान का उपयोग बढ़ाएं। दुकान बंद करते समय ताले, शटर और सुरक्षा उपकरणों की जांच अवश्य करें। पटाखा दुकानदारों को सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए, ताकि कोई भी दुर्घटना न घटे। किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी 112 या कटघोरा थाना पुलिस को तुरंत दें। थाना प्रभारी तिवारी ने कहा कि पुलिस बल द्वारा त्योहारों के दौरान विशेष गश्त एवं निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि नागरिक बिना किसी भय के शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मना सकें।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त पहल :

सरस्वती शिशु मंदिर में सप्तशक्ति मातृ संगम का हुआ भव्य आयोजन

कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी भावना, पर्यावरण संरक्षण जैसे पंच परिवर्तन विषयों पर हुआ संवाद

कोरबा । सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमुंडा में दिनांक 15 अक्टूबर 2025, बुधवार को नारी जागरण एवं सशक्तिकरण को समर्पित सप्तशक्ति मातृ संगम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति को सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम में नगर की अनेक प्रतिष्ठित महिलाएं, जनप्रतिनिधि, शिक्षिकाएं एवं अभिभाविकाएं सम्मिलित हुईं।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुसमुंडा में दिनांक 15.10.25 दिन बुधवार को सप्त शक्ति मातृ संगम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथिद्वय श्रीमती सोनी कुमारी विकास झा (अध्यक्ष नगर पालिका बाकी मोगरा), श्रीमती प्रमिला दीदी (पार्षद, गजरा) एवं अध्यक्षता श्रीमती डॉक्टर नीतू डेका (एसईसीएल चिकित्सालय आदर्श नगर), साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती नेहा गुप्ता (अभिभाविका), पुनीता कश्यप दीदी (गायत्री मंदिर कुसमुंडा) एवं संस्था के प्राचार्य श्री चिंतामणि कौशिक जी मंच पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, ओम, भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन अर्चन से हुआ । संस्था के प्राचार्य श्री चिंतामणि कौशिक ने सप्तशक्ति संगम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में मातृशक्ति को पञ्च परिवर्तन की जानकारी देना जिसमें कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी का भाव, एवं सामाजिक समरसता द्वारा राष्ट्र का नवनिर्माण करना है। गायत्री मंदिर के पुनीता दीदी ने भगवत गीता में वर्णित नारियों की सप्त शक्तियों का स्मरण करवाया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉक्टर नीतू डेका ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में यह अभियान मातृशक्ति को जागृत कर समाज में संस्कार आत्म बल और स्वाभिमान की भावनाओं को सशक्त कर रहा है। विशिष्ट अतिथि के रूप में अभिभावक श्रीमती नेहा गुप्ता ने बच्चों के पालन पोषण में मां की अहम भूमिका से परिचित कराया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती सोनी विकास झा ने कुटुंब व्यवस्था को भारतीय जीवन का आधार बताया। कार्यक्रम के दौरान हेमलता शर्मा दीदी जी द्वारा प्रश्नोत्तरी एवं राष्ट्रभक्ति गीत का आयोजन किया गया जिसमें स्थान प्राप्त महिलाओं को पुरस्कृत किया गया।

इस कार्यक्रम में 200 से अधिक अभिभाविकाओं ने उपस्थित होकर अपने सुझाव प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती संगीता वर्मा दीदी ने किया। अंत में विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री दीपचंद जँघेला द्वारा आभार ज्ञापित कर शांति मंत्र से कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शांति कुमार राठौर, सप्तशक्ति संगम के मुख्य वक्ता अंजना पाराशर दीदी जी, काकोली चैधरी, तनु मुखर्जी, श्रीमती संगीता दुबे, भोगवती राजन, भूमोती जांघेला, सुधा चैबे, सीमा दीवान, खगेश्वरी चंद्रा दीदी जी एवं समस्त आचार्य परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राज्योत्सव पर कटघोरा को जिला बनाने की मांग फिर जोर पकड़ने लगी

कोरबा-कटघोरा

राज्योत्सव के अवसर पर कटघोरा को जिला घोषित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। कटघोरा के एडवोकेट संघ और स्थानीय संगठनों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि 1 नवंबर तक सरकार कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।एडवोकेट संघ के अध्यक्ष राजेश पाल ने बताया कि यह मांग सालों से चली आ रही है और कांग्रेस तथा भाजपा के कार्यकाल में भी ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। संघ के सचिव अमित सिंह ने कहा कि अब सरकार किसी भी दल की हो, इस बार एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन को 50 से अधिक सामाजिक संगठन और समुदाय का समर्थन प्राप्त है। वहीं, मूलनिवासी किसान संघ और संत एकता परिषद ने भी आंदोलन का समर्थन किया है और चेतावनी दी है कि यदि इस बार कटघोरा को जिला नहीं बनाया गया, तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है।

आदर्श विद्यालय की शुभी शुक्ला ने शूटिंग प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

दीपावली से पहले शासकीय कर्मचारियों को अग्रिम वेतन भुगतान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शासन का संवेदनशील निर्णय

रायपुर, दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य शासन ने अपने शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए माह अक्टूबर 2025 का वेतन 17 एवं 18 अक्टूबर को अग्रिम रूप से भुगतान करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सभी विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मेरे लिए शासन केवल तंत्र नहीं, बल्कि उन कर्मठ साथियों का परिवार है जो पूरे मन से जनता की सेवा में लगे हैं। दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान का यह निर्णय उसी आत्मीयता का प्रतीक है – कि सरकार अपने हर साथी की खुशियों में सहभागी बने और हर घर में उजियारा तथा प्रसन्नता फैले। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व प्रसन्नता, एकता और उत्साह का प्रतीक है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी इस पर्व को परिवार सहित उल्लासपूर्वक मना सके और किसी प्रकार की आर्थिक असुविधा का सामना न करना पड़े। वेतन भुगतान की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न करने हेतु राज्य के सभी कोषालय एवं उपकोषालय 18 अक्टूबर (शनिवार, अवकाश दिवस) को भी खुले रहेंगे, ताकि किसी कर्मचारी को भुगतान प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। राज्य शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मजदूरी, मानदेय एवं पारिश्रमिक जैसे अन्य मदों में भी नियमानुसार अग्रिम भुगतान किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली पूर्व अग्रिम वेतन भुगतान से न केवल शासकीय कर्मचारियों को आर्थिक सुविधा और राहत प्राप्त होगी, बल्कि इससे जीएसटी बचत उत्सव के दौरान राज्य के बाजारों में रौनक, व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि और आर्थिक प्रवाह में तीव्रता आएगी।

अब राज्य स्तरीय बाढ़ नियंतत्रण बंद

रायपुर, । छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा रायपुर स्थित क्षेत्रीय उपायुक्त, भू-अभिलेख कार्यालय, गांधी चौक मे राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई थी। अब भारत सरकार मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लालपुर रायपुर के द्वारा दी गई जानकारी राज्य के अनुसार 16 अक्टूबर को संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य से दक्षिण-पश्चिम मानसून 2025 की वापसी हो गई है, इसके फलस्वरूप राज्य शासन द्वारा राज्य स्तरीय बाढ नियंत्रण कक्ष अब आज 17 अक्टूबर 2025 से बंद कर दिया गया है।

वर्षा-तेज हवा के कारण धान की फसल हुई प्रभावित

0-बालियों सहित पौधा खेतों में गिरने से हो रहा कीट प्रकोप, धान की गुणवत्ता प्रभावित होन की आशंका

रायपुर, प्रदेश में तेज हवा के कारण धान की खड़ी फसल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अलग-अलग जिलों में धान की फसल जमीन में गिर गई है, जिसके कारण अब धान की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। राजधानी रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद मुंगेली तथा अन्य जिलों में धान की फसल पर इस समय वर्षा और तेज हवा का विपरीत प्रभाव पड़ा है। मानसून की विदाई के साथ अब मौसम साफ हो गया है, जाते जाते धान की फसल को प्रभावित कर दिया है। धान बालिया निकल गई है। जिसके कारण अब धान शीघ्र ही पक जाएगी। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार कीट प्रकोप काप्रभाव भी अनेक जिलो में हुआ है। इसकी रिपोर्ट आ गई है। राज्य में अगले महीने से धान कटाई का काम शुरू हो जाएगा। वर्तमान में खेतों में पानी भरा हुआ है। किसानों और अधिकारियों के अनुसार इससे धान की गुणवत्ता प्रभावित होगी। राज्य में इस वर्ष अच्छी वर्षा होने के कारण धान की पैदावार अच्छी हुई है। लेकिन अत्यधिक वर्षा और तेज हवा के कारण धान की बालियां सहित पौधा जमीन पर गिर गया है, जिसे देखते हुए किसान काफी परेशान है। राज्य में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हो रही है। किसान गोवर्धन पूजा और दीपावली के पश्चात धान की कटाई करेंगे, फिलहाल साफ मौसम का इंतजार किया जा रहा है।

प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुँचा सक्ती जिला
30 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का घर

प्रधानमंत्री आवास योजना में रचा नया कीर्तिमान

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नवगठित सक्ती जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में एक नया इतिहास रच दिया है। नवगठित जिला होने के बावजूद, सक्ती ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 में 30 हजार 512 आवास पूर्ण कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल संख्यात्मक सफलता का प्रतीक है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन में आई स्थिरता, सुरक्षा और सम्मान की कहानी भी है, जिन्होंने वर्षों तक कच्चे और असुरक्षित मकानों में जीवन व्यतीत किया था।

कच्चे से पक्के घरों तक का सफर-सक्ती बना मिसाल

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सक्ती जिले में अब तक वर्ष 2016 से 2023 तक कुल 44 हजार 319 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95: लक्ष्य प्राप्ति दर्शाता है। वहीं, वर्ष 2024-25 में 30 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर जिले ने मिशन मोड में

कार्य का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हर गरीब का पक्का घर राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता रही है । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छतीसगढ़ के सभी जिलों में

यह योजना प्रभावी ढंग से संचालित हुई। नियमित फील्ड विजिट, समयबद्ध वित्तीय सहायता, और हितग्राहियों के साथ सतत संवाद के परिणामस्वरूप यह उल्लेखनीय प्रगति संभव हुई।

टीमवर्क और जनसहभागिता से मिली सफलता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी कीर्तन चंद्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता रही है कि पात्र परिवारों तक योजना का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचे। टीमवर्क और ग्रामीणों के सहयोग से ही यह संभव हुआ है। कलेक्टर ने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का प्रयास है। सक्ती जिला इसी दिशा में सतत प्रगति कर रहा है।

वित्तीय पारदर्शिता और तेज क्रियान्वयन वर्ष 2024-25 के लिए जिले को कुल 63 हजार 591 आवासों का लक्ष्य मिला, जिनमें से 52हजार 913 आवासों को स्वीकृति दी गई। निर्माण कार्य की गति बनाए रखने हेतु सरकार द्वारा तीन किश्तों में वित्तीय सहायता प्रदान की गई । पहली किश्त में 51हजार 427 हितग्राहियों को,दूसरी किश्त में 40 हजार 318 हितग्राहियों को और तीसरी किश्त में 25 हजार 65 हितग्राहियों को वित्तीय सहायता दी गई। समय पर किश्तें जारी होने से निर्माण कार्यों में तेजी आई और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा किया जा सका।

गरीब परिवारों के जीवन में आया बदलाव – प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अंचलों के गरीब परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई किरण जगाई है। पक्के घरों के निर्माण से बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिला, बुजुर्गों को मौसम से सुरक्षा मिली और महिलाओं को घर-परिवार के संचालन में सुविधा हुई। यह योजना अब केवल आवास निर्माण कार्यक्रम नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण भारत के सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुकी है।

मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल -पारदर्शिता की दिशा में पहल

शासन द्वारा प्रारंभ किया गया मोर आवास, मोर अधिकार पोर्टल हितग्राहियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से कोई भी पात्र व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति और पात्रता की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है, जिससे योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समय पर किस्त जारी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत हितग्राहियों को कुल 1 लाख 20 हजार की सहायता राशि तीन किश्तों में प्रदान की जाती है जिसके अन्तर्गत प्रथम किश्त में 40हजार, द्वितीय किश्त में 55 हजार और तृतीय किश्त में 25 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इसका उद्देश्य है कि कोई भी ग्रामीण परिवार बेघर न रहे और प्रत्येक पात्र हितग्राही को सुरक्षित, टिकाऊ और सम्मानजनक आवास प्राप्त हो सके।

झूरा जलाशय एवं खडगवां जलाशय योजना के कार्यों के लिए 6.11 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर, छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले की दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 6 करोड़ 13 लाख 34 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। स्वीकृत कार्यों में विकासखण्ड-मनेन्द्रगढ़ की झुरा जलाशय के नहरों की जीर्णोद्धार कार्य हेतु 4 करोड़ 20 लाख 92 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। इसी तरह से विकासखण्ड-खड़गवां जलाशय योजना के नहर की जीर्णोद्धार कार्य हेतु 1 करोड़ 93 लाख 42 हजार रुपये स्वीकृत किये गये है। योजना के कार्य को कराने के लिए जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग अम्बिकापुर को प्रशासकीय स्वीकृति किये गये हैं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिँह की पुण्यतिथि 21 को

रायपुर, नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ठाकुर प्यारेलाल सिंह की पुण्यतिथि दिनांक 21 अक्टूबर 2025 को प्रातः 11 बजे जी ई मार्ग में छत्तीसगढ़ बुनकर सोसायटी आमापारा स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 5 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र में विक्रेताओं के लिए सतर्कता जागरूकता संवाद समारोह का आयोजन

रायपुर,

सतर्कता जागरूकता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा सतर्कता विभाग के सहयोग से विक्रेताओं के लिए एक संवादात्मक मिलन समारोह का आयोजन इस्पात भवन में किया गया। यह कार्यक्रम पारदर्शिता, ईमानदारी और नैतिक व्यावसायिक व्यवहार को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण से हुई, जिसमें उपस्थित अधिकारियों और विक्रेताओं ने अपने सभी लेन-देन में निष्पक्षता और नैतिकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए. के. चक्रवर्ती उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं सहायक मुख्य सतर्कता अधिकारी (एसीवीओ) श्री सुनील सिंघल ने भाग लिया। सामग्री प्रबंधन विभाग की ओर से मुख्य महाप्रबंधक श्री के. सी. मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक श्री ए. के. मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सतर्कता विभाग की ओर से महाप्रबंधक श्री संदीप गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक श्री हिमांशु दवे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराने च्वाईस सेंटरों का चक्कर काट रहे किसान
30 अक्टूबर को अंतिम तिथि होने के कारण किसान चिंतित

गांव स्तर पर कोटवारों से मुनादी कराई जा रही है।

पंजीयन के नाम पर किसानों को मागे जा रहे दस्तवावेज

धान उपार्जन 2025-26 : किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ – राज्य शासन ने की विस्तृत तैयारी

रायपुर,। राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी के लिए एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराने के लिए किसान ज्वाईस सेंटर सहित विभिन्न सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे हैं, इसके साथ ही सहकारी बैंकों में खातों का नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण इस समय राज्य के सभी सहकारी बैकों आवश्यक दस्तोवज जाम कराया जा रह है।

सरकार द्वारा 15 नवंबर से धान खरीदी की जाएगी। इसके लिए किसानों को एग्रीटेक पोर्टल में पंजीयन कराना आवश्यक है, इसमें किसानों के धान का रकबा राजस्व ऋण पुस्तिका आधार कार्ड तथा पैन कार्ड का फोटो स्टेट दिया जात ै, पंजीयन के पश्चात पटवारी प्रमाणित करता है, जिसे तहसीलदार अनुशंसा करता है। इसके पश्चात ही यह फाइल सहकारी समितियों जमा की जाती है। इस समय पूरे प्रदेश भर के किसान पंजीयन केन्द्रों और सहकारी समितियों का चक्कर काट रहे है। च्वाईस सेंटर वाले भी इसका फायदा उठा रहे हैं।

बारदाने की भी व्यवस्था की जा रही है, जूट के बारदाने के लिए जूट कमिश्नर को पत्र लिखा गया है, वहीं एकल प्लास्टिक बोरा भी खरीदा जाएगा। मार्कफेड द्वारा धान खरीदी के लिए 50 करोड़ से अधिक की राशि कर्ज के रूप में ली जाएगी। वहीं 2739 केन्द्र खोले जा रहे हैं।

पारदर्शी खरीदी योजना धान उपार्जन की प्रक्रिया को अधिक कृषक उन्मुख, दक्ष और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा संभागवार जिला स्तरीय अधिकारियों की कार्यशाला सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, प्रबंध संचालक, विपणन संघ तथा संचालक, खाद्य विभाग के मार्गदर्शन में रायपुर एवं बिलासपुर संभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को 15 अक्टूबर 2025 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में जिलों से नोडल अधिकारी के रूप में अपर कलेक्टर एवं डिप्टी कलेक्टर सम्मिलित हुए, साथ ही जिला विपणन अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी, उप-पंजीयक / सहायक पंजीयक सहकारिता, संग्रहण केंद्र प्रभारी, उपार्जन केंद्र प्रभारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर आदि भी प्रशिक्षणार्थी के रूप में उपस्थित थे।

हर घर इस दीपावली में स्वदेशी समान हर भारतीय खरीदे सैल्यूट तिरंगा का संदेश – राजेश झा

रायपुर, राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का 16 अक्टूबर आज भिलाई शहर में आगमन राष्ट्रीय संरक्षक सांसद विजय बघेल जी के निवास पर हुआ इस अवसर पर माननीय सांसद जी ने भिलाई आगमन पर उनका पुष्प कुछ से स्वागत किया और छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा हितेश तिवारी, मनोज ठाकरे फौजी अरुण सावरकर प्रशांत क्षीरसागर द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया है इस अवसर पर राष्ट्रवादी संगठन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के विषय में और आगामी कार्यक्रम को लेकर विचार मंथन हुआ। उक्त आशाय की जानकारी सैल्यूट तिरंगा संगठन के प्रदेश महामंत्री मनोज ठाकरे ने बताया। विगत 8 वर्षों से राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा भारत सहित भारत के बाहर 15 देश में सतत कार्य कर रहा है आज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आठवें स्थापना दिवस को लेकर पूरे देश राज्यों में स्वदेशी अपनाना जागरूकता जनमानस में लाने के लिए भ्रमण करने के लिए उन्होंने एक पखवाड़ा के रूप में अलग-अलग राज्यों में भेंट करते हुए आज लोकप्रिय सांसद संगठन के संरक्षक माननीय विजय बघेल जी से भेंट की इस अवसर पर उन्होंने बताया की पूरे देश में माननीय नरेंद्र मोदी जी का व्यक्तित्व उनके कार्य की सराहना हो रही है हमारा संगठन भी उनके द्वारा देशहित में चलाए जा रहे हैं स्वदेशी का नारा को लेकर हम संगठन के माध्यम से इस दिवाली में हमारा संदेश होगा कि आप छोटे से छोटे अंतिम व्यक्ति द्वारा बनाए गए उत्पादन दिए मिठाई एवं अन्य वस्तुएं जरूर स्वदेशी खरीदे जिससे हमारा देश आत्मनिर्भर होगा और विकास भी होगा। इस अवसर पर माननीय सांसद जी ने संगठन द्वारा स्वदेशी जागरण को लेकर किए जा रहे हैं कार्यों की सहारण की अध्यक्ष जी ने जानकारी दी की 26 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पूरे भारत के उत्कृष्ट कार्य करने वाले पर्यावरण शिक्षा चिकित्सा वैज्ञानिक सुरक्षा खेल साहित्य आध्यात्मिक के अलावा अन्य अन्य विद्या में जिन्होंने अच्छा कार्य किया है उन्हें सम्मानित किया जाएगा जिसकी प्रविष्टि 10 नवंबर तक जमा की जाएगी। इस अवसर पर माननीय सांसद विजय बघेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा, हितेश तिवारी,महामंत्री मनोज ठाकरे, प्रदेश मीडिया प्रभारी आदित्य टंडन जिला प्रचारक प्रशांत क्षीरसागर, युवा प्रदेश अध्यक्ष अरुण सावरकर फौजी सचिन आनसान महेश गुप्ता. नासिर भाई प्रवीण लालवानी जितेंद्र साहू राजेंद्र सहित अनेक सलूट तिरंगा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

0 आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार बना-मत्स्य पालन

0 ग्रामीण समृद्धि की नई पहचान, तकनीक और परिश्रम से तरक्की की सफर

रायपुर, संवाददाता। छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव : आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती महोत्सव 2025 का यह विशेष वर्ष, प्रदेश के समग्र विकास की गौरवशाली गाथा को रेखांकित करता है। इन 25 वर्षों में प्रदेश के सभी विभागों ने जनकल्याण और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। इनमें बिलासपुर जिला का मत्स्य पालन विभाग एक ऐसी मिसाल बनकर उभरा है, जिसने जल संसाधनों के माध्यम से गांव-गांव में आजीविका, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्थिरता की मजबूत नींव रखी।

जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, उस समय बिलासपुर जिले में मछली पालन मुख्यतः पारंपरिक विधियों तक सीमित था। ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन एक सहायक आजीविका के रूप में देखा जाता था। केवल 3 हजार 333 तालाब मछली पालन के लिए पट्टे पर दिए गए थे और मत्स्य उत्पादन 21 हजार 120 मीट्रिक टन था। विगत 25 वर्षों में मत्स्य पालन विभाग, बिलासपुर ने योजनाबद्ध प्रयासों और नवाचारों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई दिशा दी है। आज जिले में 4 हजार 946 तालाब मछली पालन के लिए उपयोग में हैं। पट्टे पर जल क्षेत्र की सीमा 5 हजार 679 हेक्टेयर से बढ़कर 10 हजार 960 हेक्टेयर तक पहुँच गई है। ग्रामीण तालाबों की संख्या 227 से बढ़कर 4 हजार 884 हो चुकी है। इस विस्तार का सबसे बड़ा प्रभाव मत्स्य उत्पादन पर पड़ा है, जो अब 48 हजार 488 मीट्रिक टन तक पहुँच गया है।

आधुनिक पद्धतियों से मछली पालन के लिए कृषकों और युवाओं में आकर्षण

यह केवल आँकड़ों की प्रगति नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मछुआ परिवारों की समृद्धि का सूचक है, जिनके जीवन में इन योजनाओं ने स्थायित्व और सम्मान जोड़ा। जिले में मत्स्य पालन को वैज्ञानिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु कई नवीन विधियों को अपनाया गया है। इसमें प्रमुख हैं- प्लेकटान ग्रोवर तकनीक-810 इकाइयाँ, झींगा पालन इकाइयाँ-517, केज कल्चर यूनिट्स-436, बायोफ्लॉक एवं पॉन्ड लाइनर पद्धति-जिनसे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार हुआ। इन आधुनिक पद्धतियों ने विशेष रूप से छोटे कृषकों और युवाओं को आकर्षित किया है, जो अब मत्स्य पालन को एक लाभकारी उद्यम के रूप में देख रहे हैं।

मिठाईयों के दाम दीपावल पर आसमान छू रहे
मध्यम वर्गीय निम्न वर्गीय परिवार के लिए बना मुसीबत

रायपुर, । दीपावली करीब आते ही शहर के मिष्ठान भंडारों में मिठाईयों के दाम में जमकर वृद्धि हुई है जिसके चलते निम्न वर्गीय परिवार एवं मध्यम वर्गीय परिवार बढ़ी हुई महंगाई के चलते मिष्ठान में क्या खरीदे यह सोच में पड़ गये है। शहर में मिठाई के दाम 320 रुपये से लेकर 2 हजार प्रति किलो के भाव से विक्रय किये जा रहे हैं। इधर त्योहार आते ही नकली खोवा और पनीर को खपाने के लिए भी एक गैग द्वारा बाहर से लाकर बिक्री किया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ताओं में डर का माहौल है। छग शासन के औषधि एवं खाद्य प्रशासन विभाग द्वारा अब तक जैसी कार्रवाई होनी चाहिए थी वैसी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। मिठाईयों पर मूल्यों पर नियंत्रण नहीं होने पर मिष्ठान व्यापारियों द्वारा घी की बनी मिठाई को तेल से बनाकर बेचा जा रहा है। जमकर मूल्य वृद्धि होने के कारण इस वर्ष उपभोक्ताओं में दीवाली शुरू होने के एक दिन पहले तक गत वर्षों में जो बिक्री हुई है उसके मुकाबले इस वर्ष मिष्ठान बिक्री में कमी आई है।

प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर पुलिस ने ऑपरेशन निश्चय के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक और सफलता हासिल की है। थाना आमानाका क्षेत्र अंतर्गत एम्स अस्पताल के पास, जी.ई. रोड टाटीबंध में दो व्यक्तियों को प्रतिबंधित नशीली सिरप के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 40 नग प्रतिबंधित सिरप जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 5,000 बताई गई है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 340/25 धारा 21, 29 नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)